हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्ष:- 02, अंक:-268, पृष्ठ:-08, मूल्य:- 2 रु.
लखनऊ, गुरुवार 13 मार्च 2025

दहेज लोभियों ने इनोवा गाड़ी की जिद ने बहू को उतारा...02

नेककाज चैरिटेबल सोसायटी ने मजदूरों को बाटा मिष्ठान...06

फरवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 29,303 करोड़ का निवेश

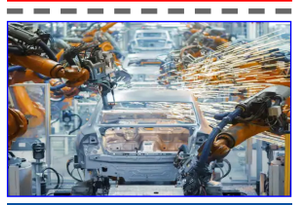

इंडस्ट्रियल ग्रोथ 8 महीने के उच्चतम स्तर पर

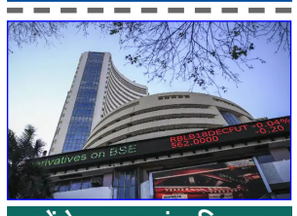

सेंसेक्स 72 अंक गिरकर 74,029 पर बंद

होली पर योगी सरकार का तोहफा

1.86 करोड़ परिवारों को मिला मुफ्त गैस सिलेंडर

बेटियों और किसानों के लिए भी चल रहीं कई योजना

सीएम योगी ने कहा सरकार गरीबों, किसानों और बेटियों के कल्याण के लिए संकल्पबद्धता के साथ काम कर रही है। प्रदेश में अब तक 22 लाख बेटियों को पढ़ाई के लिए प्रति बेटी 25 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जबकि 4 लाख बेटियों की शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कराई गई है। अप्रैल से बेटियों की शादी के लिए 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वहीं बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट आने के बाद मेधावी बेटियों को स्कूटी और कामकाजी महिलाओं को अहिल्याबाई होलकर के नामपर आवासीय सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। वहीं, किसानों के लिए गेहूं की खरीद दर को 150 रुपये बढ़ाकर 2425 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।

2 हजार से अधिक अन्नपूर्णा भवनों का हो रहा निर्माण

सीएम ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में राशन की दुकानों को अब अन्नपूर्णा भवन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां जरूरत का सामान, बिजली बिल जमा करने की सुविधा और वेयरहाउस की व्यवस्था होगी। 2 हजार से अधिक अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण चल रहा है। ग्राम सचिवालयों के जरिए ऑनलाइन आय, जाति, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र भी दिए जा रहे हैं।

लखनऊ, संवाददाता। होली के ठीक पहले बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत राज्य के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल के लिए 1890 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की। इस योजना का शुभारंभ लखनऊ के लोकभवन सभागार में सीएम योगी ने बटन दबाकर किया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जहां गैस कनेक्शन के लिए घूस देना पड़ता था, वहीं अब देश में 10 करोड़ परिवारों को ये सुविधा फ्री में उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही होली दीपावली पर गैस सिलेंडर भी मुफ्त दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस बार होली और रमजान एक साथ है, तो सभी लोगों को इस योजना का फायदा मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि उज्ज्वला योजना को 2016 में शुरू किया गया था, जिसके तहत देशभर में 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिले। उत्तर प्रदेश में करीब 2 करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2021 में हमने वादा किया था कि 2022 में सरकार बनने पर होली और दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर दिया जाएगा।

तब से हर साल यह योजना चल रही है ताकि लोग पर्व और त्योहार अच्छे से मना सकें। इस बार होली और रमजान दोनों साथ हैं, इसलिए सभी को इसका लाभ मिलेगा। सीएम ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले एक गैस कनेक्शन के लिए 25-30 हजार रुपये की घूस देनी पड़ती थी और त्योहारों पर सिलेंडर भी नहीं मिल पाते थे।

15 करोड़ लोगों को मिल रहा मुफ्त राशन

मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में 80 हजार राशन डीलर 3 करोड़ 60 लाख राशन कार्डधारकों के जरिए 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांट रहे हैं। 2017 में ई-पॉश मशीनों के जरिए राशन वितरण में पारदर्शिता लाई गई, जिससे कालाबाजारी पर रोक लगी। कोविड काल में जब लोग परेशान थे, तब से लगातार लगातार पांच साल हो गये हर महीने देश में 80 करोड़ लोगों को और यूपी में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने की अपील

मुख्यमंत्री ने अपील की कि जिन लोगों ने अबतक उज्ज्वला योजना के लिए अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, वो अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। उन्होंने सभी से होली को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों और गैस प्रदाता कंपनियों के अधिकारियों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, कैबिनेट मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, इंजीनियर अवनीश, विधायकगण नीरज वोहरा, योगेश शुक्ला, जयदेवी, सुरेन्द्र मैथानी, प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण तथा प्रदेश सरकार के अधिकारीगण एवं खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

यूपी की प्रगति और महाकुंभ का सीएम ने किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी कभी बीमारू राज्य था, लेकिन आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसके अलावा 2027 तक भारत दुनिया तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें 66 करोड़ 30 लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया, जो यूपी के सामर्थ्य को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में प्रदेश के सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जिस सामूहिकता का प्रदर्शन किया उससे प्रदेश के बारे में पूरी दुनिया में अच्छी धारणा बनी है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी दो दिवसीय मॉरीशस यात्रा के बाद स्वदेश रवाना

पोर्ट लुइस, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा के बाद बुधवार को स्वदेश रवाना हुए। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल हुए और इस दौरान वह मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोकुल और प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ बातचीत भी की तथा पूर्व प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ और विपक्ष के नेता जॉर्ज्स पियरे लेस्जोंगार्ड से भी मिले। मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम श्री मोदी को विदा करने के लिए हवाई अड्डे तक आये। उन्होंने कल हवाई अड्डे पर आकर भारतीय प्रधानमंत्री की अगवानी की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ꠸प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बहुत ही फलदायी और यादगार यात्रा संपन्न कर मॉरीशस से स्वदेश रवाना हुए। प्रधानमंत्री रामगुलाम ने आदर के साथ श्री मोदी को हवाई अड्डे से विदा किया।

दक्षिण पूर्व एशिया से 266 और भारतीय छूटकर भारत पहुंचे

नयी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण पूर्व एशिया के साइबर अपराध केंद्रों में फंसे 266 और भारतीयों को मंगलवार को मुक्त कराकर भारत लाया गया। इससे पहले सोमवार को इसी तरह फंसे 283 भारतीय स्वदेश लाये गये थे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सरकार ने कल 266 और भारतीयों को वायु सेना के एक विमान से स्वदेश वापसी का प्रबंध किया, ये व्यक्ति झांसा देकर दक्षिण एशिया में साइबर अपराध में लगे अड्डों पर ले जाये गये थे। बयान में कहा गया कि इसी तरह सोमवार को 283 भारतीयों को स्वदेश लाया गया था। मंत्रालय ने कहा कि म्यांमार और थाईलैंड में भारतीय दूतावास ने वहां के अधिकारियों के साथ मिलकर साइबर अपराध केन्द्रों से मुक्त कराया था और उनके सहयोग से उन्हें भारत लाया गया है।

भारत में बिना वैध पासपोर्ट घुसने पर 5 साल जेल

लोकसभा में इमिग्रेशन बिल पेश, जो विदेशी भारत के लिए खतरा, उसे एंट्री नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की आवाजाही प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के लिए केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में इमिग्रेशन और विदेशी विधेयक-2025 पेश किया। इस बिल के मुताबिक यदि कोई गैर कानूनी तरीके से किसी विदेशी को देश में लाता, ठहराता या बसाता है, तो उसे 3 साल जेल या 2 से 5 लाख रुपए का जुर्माना या फिर दोनों की सजा हो सकती है। भारत में आने के लिए किसी भी विदेशी के पास वैध पासपोर्ट और वीजा होना अनिवार्य होगा। विपक्ष ने लोकसभा में इस बिल का विरोध किया। यदि कोई शिक्षण या मेडिकल संस्थान, अस्पताल या निजी आवास के मालिक किसी विदेशी नागरिक को रखते हैं तो उन्हें पहले इसकी सूचना सरकार को देनी होगी। कोई भी विदेशी किसी भी संस्थान में दाखिला लेता है तो उसे एक फॉर्मेट में अपनी जानकारी भरकर पंजीकरण अधिकारी को देनी होगी। इस कानून का मकसद राष्ट्रीय सुरक्षा तय करना है। साथ ही भारत में आने-जाने और रहने से जुड़े नियमों को सख्त बनाना है। इसके तहत अगर सरकार को किसी विदेशी नागरिक से खतरा महसूस होता है, तो सरकार उस विदेशी नागरिक को भारत आने से रोक सकती है। लोकसभा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बिल पेश करते हुए कहा, ÷देश की उन्नति, प्रभुता और शांति सरकार की जिम्मेदारी है। ये बिल हम किसी को रोकने के लिए नहीं ला रहे हैं, ज्यादा से ज्यादा लोग यहां पर आएं, लेकिन हमारे देश का जो कानून है उसका पालन जरूर करें। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर कोई शख्स बिना परमिट के भारत में घुसता है, अवैध रूप से ज्यादा समय तक ठहरता है या जाली दस्तावेज इस्तेमाल करता है।

डिजिटल अरेस्ट मामलों में 83668 वॉट्सऐप अकाउंट बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर (आईवाईसी) ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में शामिल 3962 से ज्यादा स्काइप आईडी और 83,668 वॉट्सऐप अकाउंट्स की पहचान करके ब्लॉक कर दिया है। आईवाईसी साइबर अपराधों पर निगरानी के लिए गृह मंत्रालय स्पेशल विंग है। गृह राज्य मंत्री संजय बंदी कुमार ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सांसद तिरुचि शिवा के सवाल सर यह लिखित जानकारी दी। उन्होंने बताया- साइबर अपराधियों ने इन अकाउंट्स का इस्तेमाल ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी की थी। इसके अलावा 28 फरवरी, 2025 तक 7.81 लाख से ज्यादा सिम कार्ड और 2.08 लाख से ज्यादा आईएमईआई नंबर ब्लॉक किए गए हैं। वहीं, 13.36 लाख से ज्यादा शिकायतों के आधार पर 4386 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान से बचा जा सका है। गृह राज्य मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार और टेलिकॉम सर्विस प्रोवाइडर (टीएसपी) ने इंटरनेशनल स्पूफ कॉल की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए एक सिस्टम तैयार किया है। ऐसी कॉल्स आने पर मोबाइल डिस्प्ले में भारत का नंबर होता है जबकि कॉल कहीं विदेश से आ रही होती है।

भारत-पाक सीमा पर ऊर्जा परियोजना को मंजूरी

विपक्ष बोला- राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के सांसदों ने बुधवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक नवीकरणीय उर्जा परियोजना को मंजूरी दिए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से संतोषजनक जवाब न मिलने पर सदन से वॉकआउट किया। प्रश्नकाल के दौरान सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और उर्जा सुरक्षा को साथ-साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह नवीकरणीय उर्जा परियोजना अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज एक किलोमीटर की दूरी पर होगी, जबकि सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार किसी भी बड़े बुनियादी ढांचे की परियोजना को सीमा से कम से कम किलोमीटर दूर होना चाहिए। तिवारी ने पूछा कि क्या इस परियोजना के लिए किसी प्रकार की छूट दी गई है। वहीं, सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रस्ताव को मंजूरी देने से पहले केंद्र, राज्य और संबंधित एजेंसियों से मंजूरी ली जाती है। नवीकरणीय उर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार देश में नवीकरणीय उर्जा उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी जरूरी मंजूरी लेने के बाद ही लाइसेंस जारी किए जाते हैं और परियोजना को मंजूरी दी जाती है। लेकिन कांग्रेस सांसद सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे। इसके बाद वे सदन के बीच में पहुंच गए।

बधाई संदेश

होली के शुभ अवसर पर प्रबुद्ध पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिन्तकों को समाचार पत्र परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

अवकाश

होली के शुभ अवसर पर प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 16 मार्च को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

दहेज लोभियों ने इनोवा गाड़ी की जिद ने बहू को उतारा मौत के घाट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

हरदोई/लखनऊ। शादी करना और घर बसाना हर एक लड़की का सपना होता है।वह भी सपना अपने पसंदीदा साथी के साथ,यह सपना हर एक लड़की - लडके का होता है। ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले थाना कोतवाली शहर में दहेज लोभियों ने चंद दिन भी नही बीतने दिए और डा. अजीता सिंह की हत्या कर दी। ससुराल पक्ष को इनोवा गाड़ी चाहिए थी। लेकिन किया गाड़ी मलने से ना खुश थे। हंसते खेलते परिवार की लाडली बेटी डॉ. अजीता सिंह अपने सपनों के अरमान लेकर अपने पति गौरी शंकर उर्फ अंकित वाजपेई के घर पहुंची तो उसे क्या पता था कि यहीं पर उसके अरमानों की हत्या हो जायेगी। केवल इनोवा की चाह में आखरी सांस इसी घर में लेने वाली है। डॉ अजीता सिंह की शादी हिंदू रीति रिवाज से गौरीशंकर उर्फ अंकित बाजपेई पुत्र स्व. कमलेश कुमार बाजपेई निवासी मोहल्ला नघेटा रोड थाना कोतवाली शहर जिला हरदोई के साथ 2 मार्च 2025 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ से शादी हुई थी। लड़की के पिता ने अपनी क्षमता से भी बढ़-चढ़कर जो भी हो सका अपनी बेटी की खुशहाली के लिए उसे शादी में घर का सामान,5 लाख नगद और एक चार पहिया गाड़ी किया शादी में दी पर ससुराल के लोग फिर भी संतुष्ट न हुए,7 मार्च 2025 को अचानक रहस्यमई तरीके से डा. अजीता सिंह की मौत हो गई । लडकी वालों को क्या पता था की यही गाड़ी उसकी बेटी की मौत का कारण बन जाएगी 7 मार्च 2025 को लड़की वालों को लड़की की सास किरण बाजपेई द्वारा यह बताया गया की बाथरूम में गीजर में करंट उतरने से लड़की की मौत हो गई जब लड़की वाले गौरी शंकर उर्फ अंकित वाजपेई के घर पहुंचे तो पता चला की बेटी को हॉस्पिटल ले गये है। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा डा. अजीता सिंह को मृत घोषित किया जा चुका था । डा. अजीता सिंह के घर वालों ने बाथरूम में देखा तो वहां पर बिजली वाला गीजर नहीं वहां तो गैस वाला गीजर लगा हुआ था, जिसमें वेंटिलेशन की कोई सुविधा नहीं थी घटनाक्रम को ऐसे दिखाने की कोशिश थी कि किसी आकस्मिक घटना से बाथरूम में दम घुटने से डा. अजीता सिंह की मौत हो गई। पूरे इलाके में सनसनी मच गई किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था की डॉ. अजीता सिंह अब नहीं रही कोई यह विश्वास ही नहीं कर पा रहा था की ऐसी घटना हो जाएगी। पोस्टमार्टम से लौटने पर जब डॉ. अजीता सिंह की बॉडी शमशान घाट पर पहुंची तो इस समय गौरी शंकर उर्फ अंकित वाजपेई के घर वालों ने किया गाड़ी की चाभी लड़की के पिता विक्रम सिंह को दी और कहा यह अपनी गाड़ी ले जाइए। डा. अजीता सिंह के पिता ने रोते हुए गौरी शंकर उर्फ अंकित बाजपेई के घर वालों के सामने गाड़ी की चाभी फेंक दी और रोते हुए कहा जब मेरे दिल का टुकड़ा नहीं रहा तो गाड़ी लेकर क्या करूंगा । डा. अजीता सिंह और गौरी शंकर उर्फ अंकित बाजपेई के 15 सालों का प्रेम था। डॉ. अजीता सिंह पेसे से डाक्टर थी और वह लखनऊ के हेल्थ सिटी अस्पताल में कार्यरत थी। डा. अजीता सिंह लखनऊ के गोमती नगर विस्तार इलाके के खरगापुर सरस्वती पुरम में अपने परिवार के साथ रहती थी, समय के साथ परिवार की सहमति से दोनों की शादी हुई थी। डा. अजीता सिंह को क्या पता था कि वह अपना प्यार नहीं अपनी जिंदगी गौरी शंकर उर्फ अंकित बाजपेई के घर में गवाने जा रही है। गौरी शंकर उर्फ अंकित बाजपेई की मां किरण वाजपेई उत्तर प्रदेश पुलिस में स्पेक्टर के पद पर है। किरण बाजपेई एवं गौरी शंकर उर्फ अंकित बाजपेई, बहन पूजा बाजपेई के साथ मिलकर अपने मां किरण बाजपेई के शातिराना दिमाग से एक मासूम बेटी को दहेज की भेट चढ दिया। प्यार का दिखावा करने वाले मात्र इनोवा गाड़ी के लिए उसकी जिंदगी ही छीन लेंगे यह क्या मालूम था डा. अजीता सिंह को। दिनांक 6 मार्च 2025 को डॉ. अजीता सिंह चौथी में विदा होकर अपने पिता के घर आई और आने पर बेटी ने अपने पिता से बोली पापा 10 लाख रुपए की और व्यवस्था हो जाए तो यह गाड़ी बदलकर यह लोग इनोवा ले लेंगे पापा की लाडली बेटी को क्या पता था कि यही मुलाकात उसकी अपने मां-बाप और भाई से आखरी हो जाएगी यही 10 लाख और इनोवा गाड़ी की चाह में उसके ससुराल वालों की सनक उसकी जीवन की यात्रा आखिरी होगी। दिनांक 7 मार्च 2025 को डॉ. अजीता सिंह ने अपने भाई अभय विक्रम को फोन करके बताया कि 10 लाख रुपए न मिलने के कारण उसके पति गौरी शंकर उर्फ अंकित बाजपेई एवं सास किरण बाजपेई व ननद पूजा बाजपेई ने काफी भला बुरा कहा मेरे कुछ समझाने पर मेरे साथ मारपीट की है। उसके शरीर पर काफी चोटें आई हैं और उसे जान से मार कर दूसरी शादी करने की धमकी दे रहे हैं। कुछ समय बाद या खबर आई कि आपकी बेटी इस दुनिया में नहीं रही करंट लगने से मौत हो गई दहेज लोभियों के सामने एक बेटी फिर जिंदगी से हार गई। फिलहाल अपनी बेटी की मृत्यु के बाद मानसिक स्थिति व पारिवारिक स्थिति को संभालते हुए लड़की के पिता आदित्य विक्रम सिंह ने अपने जिले हरदोई में कोतवाली सिटी पुलिस को तहरीर दी है और पुलिस ने दहेज हत्या और दहेज प्रताड़ना के मुकदमा दर्ज कर लिया है। गौरी शंकर उर्फ अंकित बाजपेई मां किरण बाजपेई,बहन पूजा बाजपेई अपने बचाव में अलग-अलग बातें रखते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं की है। शादी के 5 दिन बाद दुल्हन की संदिग्ध मौत दुल्हन के शरीर पर चोटों के निशान क्या पुलिस महकमा अपने महकमें को बचाने में लगे है क्या? क्या इसी तरह दहेज लोभी बेटियों को मौत के घाट उतारते रहेंगे?

बाइक सवार दंपति को ट्रक ने कुचला, पत्नी की मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। गहमर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 124 सी के बारा गांव स्थित मगरखाई मोड़ के पास बुधवार की सुबह अनियंत्रित ओवर लोड लाल बालू लदी ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। जबकि पति बाल-बाल बच गया। बारुपुर थाना राजपुर बक्सर निवासी नंदन कुमार राय पत्नी मीनाक्षी देवी व बहनोई जार्ज फर्नांडीस के साथ किसी कार्य से बारा आ रहे थे। मगरखाई चौराहा से आगे जैसे ही बढ़े थे कि पीछे से तेज रफ्तार आ रही ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर बैठी मीनाक्षी देवी (35) गिरकर ट्रक के पहिये के नीचे आ गई। ट्रक घसीटते हुए कुछ दूर तक ले गया। इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी तरफ बाइक चला रहे नंदन कुमार राय और उनके बहनोई बाल-बाल बच गए। ट्रक चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। राहगीरों ने हादसे की सूचना बारा पुलिस चौकी सहित कोतवाली पुलिस की दी। मौकेपर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश में जुटी है। वहीं घटना की जानकारी होने पर स्वजन भी आ गए। प्रभारी निरीक्षक अशेषनाथ सिंह ने बताया कि महिला के पति नंदन कुमार राय की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर लिया गया है। चालक की तालाश किया जा रहा है।

इस बार होली में गुझिया की मिठास जेब पर पड़ेगी भारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। होली रंगों का त्योहार है लेकिन खोवा एवं मेवा से भरी हुई गुझिया के बिना होली का रंग नहीं जमता है। ऐसे में बाजारों में दुकानदारों ने एक पखवाड़े पहले से ही गुझिया बनाना शुरू कर दिया है। हालांकि दूध महंगा होने से इस बार गुझिया की कीमत में तेजी आई है। होली पर घर-घर गुझिया बनाने एवं खिलाने का रिवाज है। अब होली आने ही वाली है तो बाजार में रेडीमेड गुझिया बनना भी शुरू हो गई है। बाजार में इस समय मेवा से बनी गुझिया का मूल्य 350 से 400 रुपये किलो तक है। गुझिया की कीमतों में अभी और तेजी आने की संभावना है। रेडीमेड गुझिया के 500 रुपया किलो तक बिकने की संभावना है। दुकानदारों ने बताया कि इस बार होली से पहले ही दूध के मूल्य में काफी तेजी आई है। साथ ही लोग अपने स्वास्थ्य और साफ-सफाई को लेकर काफी जागरूक हुए हैं। ऐसे में अच्छे मेवा और बढ़िया घी में बनी मेवा गुझिया के रेट होली पर अवश्य बढ़ेंगे। इस समय खुले बाजार में अच्छा दूध 50 से 70 रुपए किलो तक मिल रहा है। मेवा भी 220 से लेकर 350 रुपया किलो तक है। बाजार में खरीदारी करने आए लोगों ने बताया कि रिफाइंड, मैदा, शक्कर आदि के दाम में पहले ही बढ़ोतरी हो चुकी है। इसका असर आम आदमी के बजट और रसोई पर भी दिखेगा। होली पर्व को लेकर बाजार में साधारण मेवा से लेकर बेक्ड और शुगर फ्री गुझिया भी बनाई जा रही है। लोग उपहार में देने के लिए गुझिया एवं नमकीन की खरीदारी भी कर रहे हैं। इस बार की होली में हमारे यहां खोवा, काजू, पिस्ता, बादाम एवं जाफरान से गुझिया बनाई जा रही है। इसके अलावा बेबी और शुगर फ्री गुझिया भी काफी मात्रा में बिक रही है। नवाबी गुझिया की भी खूब डिमांड है। -नारद कुशवाहा, मिष्ठान विक्रेता गाजीपुर घाट। इस बार दूध काफी महंगा हुआ है। इस कारण से मेवा भी महंगा हुआ है। होली को लेकर बाजार में मिठाइयों एवं गुझिया बनाने के लिए मेवा की विभिन्न वैरायटी आ गई है। जिनका मूल्य 220 से 240 रुपया किलो तक है।

2.33 करोड़ से संवारा जाएगा राजकीय निराला पार्क

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। शहर के निराला पार्क को 2.33 करोड़ से संवारा जाएगा। डीएम ने प्रस्ताव अपर मुख्य सचिव उद्यान को भेजा है। पार्क में लाइटें, बेंच व बच्चों के लिए अत्याधुनिक झूले लगाने का काम किया जाएगा। कलक्ट्रेट के नजदीक स्थित निराला पार्क शहर का सबसे पुराना और एकमात्र ऐसा पार्क है जो करीब एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला है। यहां पर तालाब भी है लेकिन देखरेख के अभाव में यह बदहाल है। पार्क की सुंदरता बढ़ाने की कवायद डीएम गौरांग राठी ने शुरू की है। डीएम ने बताया कि पिछले सप्ताह शहर में अपर मुख्य सचिव उद्यान आए थे। उनसे इस पार्क को लेकर चर्चा की गई थी।उन्होंने सुंदरीकरण के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए थे। इसी कारण पार्क में अलग-अलग कार्य कराने के लिए प्रस्ताव तैयार कराया गया। बजट मिलते ही काम शुरू कराए जाएंगे।

ई-रिक्शा पर सवार महिला की पर्स से नगदी चोरी करने वाली तीन महिलाएं गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। कोतवाली शहर क्षेत्र में भाई और पति के साथ ई-रिक्शा से जा रही महिला के पर्स से 75 हजार रूपये नगदी चोरी करने वाली महाराष्ट्र राज्य की तीन महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त विवरण के अनुसार टड़ियावां थाना क्षेत्र के पुरवा देवरिया निवासी विवेक ने मंगलवार को कोतवाली शहर पर तहरीर देकर बताया कि वह पत्नी व साले के साथ बिलग्राम चुंगी से ई-रिक्शा में बैठकर बड़ा चौराहा स्थित एक सर्राफा की दुकान पर जा रहा था। उसी रिक्शे में बैठी 3 अज्ञात महिलाओं ने उसकी पत्नी के पर्स से 75 हजार रूपये नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। बुधवार को विवेचना कार्रवाई के दौरान प्रकाश में आईं तीन महिलाएं अर्चना, शिशोत्रा व सारिका निवासी कन्हान पारसा रोड बागधर वाड़ी थाना कन्हान जनपद नागपुर (महाराष्ट्र) को नगदी सहित गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की गई। पूछताछ के दौरान पता चला कि महिलाएं महाराष्ट्र राज्य की रहने वाली है, और वह शहर में घूम-घूम कर भिक्षा मांगती है तथा ई-रिक्शा व टेंपो में बैठकर लोगों को सामान चोरी कर लेती हैं।

जिलाधिकारी ने होली के शुभ अवसर पर जनपदवासियों को शुभकामनाएं दी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने होली के शुभ अवसर पर जनपदवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि सभी लोग होली के त्यौहार को आपसी सद्भाव, सौहार्द एवं शान्तिपूर्ण ढंग से मनाकर अपनी गौरवमयी परम्परा को कायम रखें, रंगो का पर्व हमारी राष्ट्रीय एकता, अखण्डता तथा अनेकता में एकता की पहचान एवं आपसी भाईचारे, सद्भाव का रंग-बिरंगा त्यौहार है। श्री सिंह ने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि होली के पावन पर्व पर रंगो का ही प्रयोग करें, किसी के ऊपर कीचड़ आदि गन्दगी न डालें, बीमार व शारीरिक तौर से अक्षम व्यक्तियों के साथ उनकी आशा के अनुरूप ही बर्ताव करें। उन्होने विश्वास व्यक्त किया कि सभी लोग होली पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनायेगें।

मजदूरों की मनरेगा जेसीबी के हवाले

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। मजदूरों की मनरेगा अब जेसीबी के हवाले हो गई है। सदर विकास खंड सहित अन्य क्षेत्रों के ग्राम पंचायतों में रात दिन एक कर जेसीबी से मनरेगा के कार्य कराए जा रहे हैं। अब ग्राम पंचायतों में भी मनरेगा, मजदूरों से छिन गई है। इसमें जिम्मेदारों की मौन सहमति भी है। मशीनों से हो रहे कार्य पर सरकार के नुमाइंदे मुंह खोलने को तैयार नहीं हैं। गांव की सीमा तक चकरोड और नाली आदि मनरेगा के तहत बनवाया जाना था। कच्चा कार्य होने की वजह से ग्राम पंचायत एवं क्षेत्र के जाबकार्डधारकों से कराया जाना था। उन्हें घर बैठे रोजगार मिल सके। किंतु खुद के लाभ के चक्कर में जिम्मेदारों ने उनसे उनका यह हक छीन लिया। अब निर्माण जेसीबी से शुरू करा दिया गया। ग्रामीणों की मानें दिन- रात जेसीबी से खोदाई कर मिट्टी पाटने का काम कराया जा रहा है।

गर्मी के तेवर से फसलों के नुकसान का डर

● गेहूं, जौ, मटर, सरसों, चना समेत अन्य फसलों के उत्पादन पर पड़ेगा असर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। मौसम में आए बदलाव से मार्च के शुरुआती माह में ही तेज गर्मी होने लगी है। इस हफ्ते दिन का अधिकतम तापमान 37 डिग्री पार कर गया है। अचानक बढ़ी गर्मी से मौसम वैज्ञानिक व कृषि वैज्ञानिक हैरान हैं। दिन में तेज धूप होने से बढ़ी गर्मी से फसलों से नमी समाप्त हो जा रही है। इससे गेहूं समेत रबी की अन्य फसलों में उत्पादन कम होने की आशंका बढ़ गई है। मौसम में आए बदलाव को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम में आए परिवर्तन से मार्च माह के शुरुआत में हो रही गर्मी से रबी फसलों में भारी नुकसान की आशंका बढ़ गई है। इससे गेहूं, जौ, मटर, सरसों, चना समेत अन्य सभी फसलों के उत्पादन में उत्पादन पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। इसके साथ ही गेहूं का दाना पतला होने की संभावना है। मुहम्मदाबाद प्रतिनिधि के अनुसार, छुट्टा जानवर व नीलगाय की समस्या से जूझ रहे सेवराई तहसील के ज्यादातर इलाकों के किसानों ने दिसंबर माह में गेहूं की बुआई कराई है। किसान गेहूं की अगेती फसल में दो सिंचाई करा चुके हैं। पिछेती फसल की एक बार ही सिंचाई कराई है। फरवरी माह के अंतिम सप्ताह से ही तेज गर्मी होने से फसलों से नमी गायब हो जा रही है। इससे किसानों को कम समय के अंतराल पर सिंचाई करानी पड़ रही है। इससे सिंचाई पर ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। पहले नवंबर, दिसंबर, जनवरी व फरवरी में ठंड होने से गेहूं के साथ रबी की अन्य फसलों का विकास आसानी से हो जाता था। मार्च से लेकर अप्रैल माह तक गेहूं के साथ अन्य फसलें पककर तैयार होती थीं। इस बार फरवरी माह से ही बढ़ी गर्मी से फसलों के जल्दी पककर तैयार होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में फसलों के उत्पादन पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। इसको लेकर किसानों को चिंता सताने लगी है। प्रभावित होगी गेहूं की पैदावार किसान एजाज खान का कहना है कि अचानक गर्मी होने से गेहूं के खेतों की नमी कम हो जा रही है। इससे गेहूं की पैदावार प्रभावित होगी। गेहूं का दाना पतला होने की आशंका है। फसलों के दाने हो जाएंगे पतले किसान ओमकार सिंह यादव बताते हैं कि मौसम में बदलाव होने से समय से पहले फसलें पक जाएगी। इससे गेहूं समेत अन्य फसलों के दाने पतले हो जाने की आशंका है। किसानों को बहुत नुकसान किसान फकरुद्दीन खान का कहना है कि मौसम के मिजाज में बदलाव से फसलों के उत्पादन में कमी होने की पूरी आशंका है। इसका सीधा नुकसान किसानों को उठाना पड़ेगा। धूप के साथ पछुआ बनी मुसीबत किसान रामनाथ कुशवाहा का कहना है कि तेज धूप के साथ पछुआ फसलों को नुकसान पहुंचा रही है। रबी की फसलों से अधिक पैदावार होने की उम्मीद धूमिल होती जा रही है।

होली और जुम्मे की नमाज को लेकर पुलिस-प्रशासन तैयार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। होली के रंग खेलने के दौरान रमजान माह में जुम्मे की नमाज भी अता की जाएगी। इन दोनों पर्वों को सकुलश सम्पन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन ने कमर कस लिया है। शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखने के साथ ही मिश्रित आबादी वाले स्थानों पर विशेष फोकस के साथ ही सोशल मीडिया पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। खुफिया विभाग भी होली और रमजान में जुमे की नमाज एक दिन होने के कारण मस्जिदों के आस पास समेत मिश्रित आबादी वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने पर खास जोर दे रहा है। इस बार 14 मार्च को जब हर तरफ होली के रंगों के साथ ही गुलाल और अबीर की बौछार चल रही होगी, तो उसी समय रमजान के मुबारक महीने में जुमे की नमाज भी अता की जाएगी। इस अद्भुत संयोग ने पुलिस और प्रशासन की धड़कन अभी से बढ़ाते हुए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। खुफिया विभाग के माध्यम से पिछले सालों के दौरान होली पर हुए विवादों का पूरा ब्यौरा तलब करने की कवायद शुरू कर दी गई है। संवेदनशीलता के साथ ही पुलिस और प्रशासन की चुनौती को कई गुना बढ़ा दिया है। डीजी प्रशांत कुमार ने भी इस पहलू का उल्लेख करते हुए सभी जनपदों के आला अधिकारियों को अभी से सतर्कता बढ़ाते हुए पूरे शांतिपूर्ण ढंग में दोनों पर्व संपन्न कराने की कड़ी हिदायत जारी कर दी है। जिसके बाद एसपी भूकर के निर्देश के बाद मिश्रित आबादी में चौकसी और गश्त बढा दी गयी है। इधर, डीएम गौरांग राठी ने पीस कमेटी में सभी धर्मगुरुओं के साथ बैठक की और गंगा जमुनी तहजीब का संदेश देते हुए होली मिल जुल कर मनाएं व शांति बनाएं रखने की अपील की है। वहीं शहर काज़ी निसार अहमद मिसबाही ने होली के त्योहार को मद्देनजर रखते हुए जुमा की नमाज़ एक घंटे देरी से मनाने की घोषणा की है।

ट्रैफिक व्यवस्था धड़ाम, नागरिकों का दम निकाल रहा शहर का जाम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। शहर में सड़कों पर लगने वाले भीषण जाम ने शहर की यातायात व्यवस्था को चौपट कर दिया है। सोमवार सुबह से ही सड़कों पर जमा की स्थिति बन गई। दिनभर वाहनों की लंबी कतारें सड़कों पर लगी रही। पुलिस जाम खुलावाने के लिए पसीना बहाती रही लेकिन देर शाम तक भी शहर की प्रमुख सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही। लोग घंटों जाम से जूझते रहे। तेज धूप में जाम में फंसे लोग गर्मी से बेहाल हो गए। एक तो उमसभरी गर्मी, दूसरे शहर में जाम लोगों के छक्के छुड़ा रहा है। यहां हर रोज लोगों को जाम के झाम से जूझना पड़ रहा है। प्रशासन द्वारा शहर के हर चौराहे और तिराहे पर पुलिस बल तैनात किया गया है, लेकिन पुलिसकर्मी इधर-उधर रहते हैं। वाहन चालक सड़क पर ही अपना वाहन खड़ा कर घंटों दुकानों पर बैठे रहते हैं। सोमवार को शहर के लंका तिराहे पर करीब एक घंटा जाम लगा रहा। इससे राहगीरों को निकलने में काफी परेशानी हुई।

सर्विलांस टीम द्वारा 111 गुमशुदा मोबाइल को किए गये

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन एवं अखिलेश सिंह अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी के कुशल पर्यवेक्षण में जनपद के प्रभारी सर्विलांस सेल उ.नि. निखलेश कुमार के नेतृत्व में सर्विलांस टीम द्वारा जनपद के भिन्न-भिन्न थाना क्षेत्रों से पीड़ितों के गुमशुदा हुए 111 मोबाइल (एंड्रॉएड सेट भिन्न-भिन्न कम्पनियों के) कीमत लगभग 25,00,000/- रु. के मोबाइल फोन बरामद किये गये। पुलिस अधीक्षक उन्नाव महोदय द्वारा गुमशुदा मोबाइलों के सम्बन्ध में समय-समय पर सर्विलांस टीम को शत-प्रतिशत बरामदगी के लिए कड़े निर्देश दिये गये थे, जिसके अनुपालन में उपरोक्त मोबाइल फोनों को भिन्न-भिन्न स्थानो से बरामद किया गया। अपने खोए हुए मोबाइल फोन पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे, सभी ने उन्नाव पुलिस का शुक्रिया अदा किया।

रमजान का पहला अशरा खत्म, 11वें रोजे से दूसरा अशरा शुरू

➢ गुनाहों से निजात व जहन्नम से आजादी देता दूसरा अशराः कारी तौसिफ रज़ा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। रहमत की बारिश करने वाला माहे रमजान का पहला अशरा मंगलवार को खत्म हो गया। मुकद्दस महीने रमजान में रोजेदारों पर शुरुआत के 10 रोजे में अल्लाह की खूब रहमत बरसी। मंगलवार के शाम रमजान महीने का पहला अशरा खत्म होते ही बुधवार से दूसरे अशरे की शुरुआत हो चुकी है, जहां दूसरे अशरे में रोजेदार मगफिरत के लिए अल्लाह से दुआ मांगेगे। क्योंकि रमजान का दूसरा अशरा मगफिरत का है। मान्यता है कि इसमें अल्लाह मरहूमों पर मगफिरत फरमाता है और रोजेदारों को गुनाहों से आजादी मिलती है। मदीना मस्जिद के इमाम कारी तौसिफ़ रज़ा ने बताया कि रमजान माह के दूसरे अशरे को मगफिरत यानी गुनाहों की माफी का अशरा कहा जाता है। इसमें अल्लाह अपने बंदों को खास इनआमात से नवाजता है। उन्होंने बताया कि माहे रमजान में अल्लाह ताला अपने बंदों को रहमतों से जहां मालामाल करता है वहीं उसे गुनाहों से नजात व जहन्नम से आजादी देता है। इसके लिए रमजान को तीन अलग-अलग अशरों (भाग) में बांटा गया है। पहला अशरा रहमत का है जो रमजान के चांद से शुरू होकर दसवें रोजे तक जारी रहता है। दूसरा अशरा मगफिरत (क्षमा) का है। इस अशरे में बंदों को अपने रब से गुनाहों की मगफिरत के लिए दुआ करनी चाहिए। इसी तरह आखिरी अशरा जहन्नम से नजात दिलाने वाला होता है। जो बेहद अहम माना जाता है। उन्होंने बताया कि आखिरी अशरे तक रोजा व इबादत का सिलसिला कायम रखना बड़ी बात होती है। यही वजह है कि आखिरी अशरे में इबादत करने वालों को अल्लाह ताला इनाम के तौर जहन्नम से नजात यानी मुक्ति देने का वादा किया है।

होली त्योहार के मद्देनजर जिलाधिकारी ने की बैठक, अधिकारियों को दिए दिशानिर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। जिला मजिस्ट्रेट अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि जनपद में होली का पर्व दि. 13, 14 मार्च को परम्परागत तरीके से मनाया जयेगा, इस अवसर पर शांति व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने हेतु जनपद के संवेदनशील स्थानों पर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गयी है। उन्होने बताया कि समस्त तहसील क्षेत्र (विशेषकर मैनपुरी नगर) में उप जिला मजिस्ट्रेट सदर को, गोला बाजार, सिकन्दरपुर में तहसीलदार सदर को, लालपुर सथिनी में नायब तहसीलदार सदर को, समस्त तहसील क्षेत्र कुरावली हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट कुरावली को, कस्बा कुरावली में तहसीलदार कुरावली को, समस्त तहसील क्षेत्र (विशेषकर कस्बा भोगांव) में उप जिला मजिस्ट्रेट भोगांव को, कस्बा बेवर में तहसीलदार भोगांव को, आलीपुर खेड़ा, रकरी में नायब तहसीलदार भोगांव को, समस्त तहसील क्षेत्र (विशेषकर कस्बा किशनी) में उप जिला मजिस्ट्रेट किशनी को, कुसमरा में तहसीलदार किशनी को, समस्त तहसील क्षेत्र (विशेषकर कस्बा घिरोर) में उप जिला मजिस्ट्रेट घिरोर को, कोसमा मुसलमीन में तहसीलदार घिरोर को, समस्त तहसील क्षेत्र (विशेषकर कस्बा करहल) में उप जिला मजिस्ट्रेट करहल को, बरनाहल, दिहुली में खंड विकास अधिकारी बरनाहल को एवं कुर्रा में तहसीलदार करहल को तैनात किया गया है। अंजनी कुमार सिंह ने तैनात सभी मजिस्ट्रेट से कहा है कि निर्धारित तिथि को अपने-अपने स्थल पर समय से पूर्व पहुंचकर कार्यक्रम सम्पन्न होने तक बने रहेंगे, समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों में सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित कार्यक्रम से पूर्व देख लेंगे तथा कार्यक्रम स्थलों व संवेदनशील स्थलों पर स्वयं भ्रमण करते हुये वहां पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारू रूप से कराते हुये किसी नई परम्परा आदि का प्रारंभ नहीं होने देंगे, होली के सम्बन्ध में कोई अप्रिय घटना, विवाद यदि संज्ञान में आये तो तैनात मजिस्ट्रेट तत्काल सूझ-बूझ एवं पूर्णविवेक से उसका निस्तारण करायें, यदि आवश्यक हो तो अपने क्षेत्र में लगायी गयी ड्यूटी में परिवर्तन कर सकते हैं, इस अवसर पर यदि कोई विशेष तथ्य प्रकाश में आता है तो सम्बन्धित मजिस्ट्रेट तत्काल निकटतम थाना से वायरलैस अथवा मोबाइल के माध्यम से अद्योहस्ताक्षरी एवं पुलिस अधीक्षक को अवगत करायें, इस अवधि में कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। उन्होने सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी पुलिस से कहा है कि अपनी-अपनी तहसील क्षेत्रान्तर्गत समस्त कार्यों, व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालन करने के साथ-साथ पर्याप्त सतर्कता, सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पूर्ण उत्तरदायी, ओवर ऑल इंचार्ज होंगे। सम्बन्धित खंड विकास अधिकारी अपने-अपने विकास खंड क्षेत्रान्तर्गत निरंतर भ्रमणशील रहकर शांति व्यवस्थ बनाये रखेंगे, मुख्य विकास अधिकारी को उक्त व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी बनाया गया है तथा अपर जिला मजिस्ट्रेट सम्पूर्ण जनपद की शांति व्यवस्था के प्रभारी रहेंगे एवं उप जिला मजिस्ट्रेटों में स्थिति की जानकारी करते हुये यथाआवश्यक समुचित कार्यवाही करेंगे।

जैविक खेती से ही विषमुक्त खाद्यान्न उत्पादन संभव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। शहर के ज्योति रोड स्थित ग्राम नगला भंत गडेरी में बुधवार को कृषि विभाग व इकोआ संस्था द्वारा परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत जैविक कृषि मेला आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान अवधेश व पूर्व जिला पंचायत सदस्य चंद्रशेखर यादव का ग्रामीणों ने फूल माला व प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। कृषि मेले में लगाई गई प्राकृतिक अनाज व सब्जी की स्टॉल आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान किसानों को ड्रोन उड़ाकर खेतों में छिड़काव करने के बारे में भी बताया गया। ईकोआ संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर संदीप तेवतिया ने कहा खेतों में अंधाधुंध रसायनों का प्रयोग बहुत ज्यादा खतरनाक है। किसान अगर समय रहते सावधान नहीं हुई तो हरित क्रांति से उपजी खुशहाली का रंग फीका पड़ सकता है। खेती में बढ़ते रसायनों के प्रयोग के कारण ही लोग खतरनाक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। सभी किसान भाइयों को विश्व मुक्त खाद्यान्न उत्पादन के लिए हमें जैविक खेती को अपनाना चाहिए। मास्टर ट्रेनर मेघ सिंह ने खाद्यान्न उत्पादन को जहर मुक्त और जैविक खेती करने के बारे में विस्तार से बताया। इस मोके पर डॉ शौकत अली कृषि वैज्ञानिक, अरुण कुमार डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज, संकेत चौहान प्रगतिशील किसान, मनोज यादव पूर्व प्रधान, विश्वनाथ सिंह, प्रवेश यादव, आनंद यादव, नेखपाल सिंह, लालू यादव आदि सैकड़ो लोग मौजूद थे।

श्रीमनकामेश्वर मंदिर में होलिका की वेदी का किया पूजन

⇨ होलिका वेदी में टायर या गंदे कपड़ों को डालना अशुभ ⇨ वेदी के माध्यम से इकोफ्रेंडली होलिका दहन का दिया संदेश ⇨ महिलाओं ने महंत दिव्यागिरी संग खेली फूलों की होली

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। श्रीमनकामेश्वर मंदिर में बुधवार को होलिका वेदी सजाई गयी। होलिका में गोबर के उपले और लकड़ी का उपयोग किया है। आचार्य राधेश्याम मिश्रा ने मंदिर की महंत दिव्यागिरी महाराज से वेदी पूजन करवाया। वेदी पूजन के बाद महिलाओं ने महंत दिव्यागिरी के साथ फूलों की होली खेली। इस अवसर पर मंदिर की प्रमुख सेवादार उपमा पांडेय, ऊषा, सुमन तिवारी, पूजा, मालती शुक्ला के अलावा विश्वजीत यादव और शिवा के अलावा मंदिर के भक्त पूजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस मौके पर महंत ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि होलिका की वेदी में शुद्ध और पवित्र वस्तुओं का प्रयोग ही करें। होलिक की वेदी भी एक हवन कुंड है, जैसे हवन में पवित्र वस्तुओं की आहुति दी जाती है इसी प्रकार से इसमें पवित्र चीजों को डालना चाहिए। बहुत से लोग टायर, गंदे कपड़े, कूड़ा तक डाल देते हैं यह सर्वथा गलत है। इसके अलावा किसी आवश्कता की लकड़ी, जैसे दरवाजे, तख्त आदि को होलिका में नहीं प्रयुक्त करना चाहिए। यह धार्मिक मर्यादा के प्रतिकूल है। उन्होंने इकोफ्रेंडली होली का संदेश दिया है।

देवा की दरगाह पर खेली जाती है होली

लखनऊ। ब्रज, कानपुर, काशी ही नहीं यूपी की बराबंकी की होली भी कम खास नही है। देवा में स्थित सूफ़ी संत हाजी वरिश अली शाह की मजार की होली विश्व प्रसिद्ध है।मजार पर होली खेलने के लिए रंगोत्सव के दिन देश के कोने-कोने से सभी धर्मों के मानने वाले आते हैं। गुलाल और गुलाब के फूलों से होली खेलते हैं।बाराबंकी को सूफ़ी संत की नगरी कहते है। यहां की होली की अवध की शान कही जाती है। रंग-बिरंगे गुलाल और गुलाब के फूलों की पंखुड़ियों से मजार परिसर में खेले जाने वाली होली में जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी, दिल्ली, बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान सहित कई राज्यों के लोग यहां मजार की होली को देखने और खेलने के लिए बड़ी संख्या में जुटते हैं। होरियारे मजार पर हाजिरी लगाने के साथ गुलाल-गुलाब के फूलों से होली खेलते हैं। बाराबंकी के देवा में स्थित सूफ़ी संत हाजी वरिश अली शाह की मजार का निर्माण उनके हिन्दू मित्र राजा पंचम सिंह ने कराया था। इस मजार पर मुस्लिम समुदाय से ज्यादा हिन्दू आते हैं। सूफ़ी संत हाजी वारिस अली शाह ने संदेश दिया जो रब है, वही राम है। दरगाह पर होली खेलने की परंपरा हाजी वारिस अली शाह के जमाने से ही शुरू हुई थी। होली के दिन उनके चाहने वाले गुलाल व गुलाब के फूल लेकर के आते थे। उनके कदमो में रखकर होली खेलते थे। तभी से ये परम्परा चली आ रही है। यहां होली में सैकड़ों साल पहले लोग गुलाल वह फूल लेकर आते थे। उनके कदमों में रख देते थे। आशीर्वाद पाकर सब लोग घर वापस चले जाते थे। आज भी देश के कोने-कोने से सभी धर्म के लोग यहां आते हैं। एक दूसरे को रंग व गुलाल लगाकर होली खेलते हैं और भाईचारे की मिसाल पेश करते हैं। होली के दिन जुलूस गाजे-बाजे के साथ निकाला जाता है, जो कौमी एकता गेट से सुबह 8 बजे उठकर दिन में 12 बजे दरगाह पर पहुंचता है। सभी धर्मों के श्रद्धालु जमकर रंग खेलते हैं। मजार के लोग जुलूस का इस्तकबाल करते हैं।होली के दिन यहां हिंदू-मुस्लमान नहीं बल्कि इंसानियत नजर आती है। लोग एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर फूलों से होली खेलते हैं और देश में अमनशांति की दुआ मांगते हैं।

प्यार, मुहब्बत और भाईचारे का महत्व – मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी साहब का लेक्चर

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। महदवी समाज की दीनी क्लासेज़ में असातिज़ा, कुरान और अहलेबैत (अ.स) की तालीमात की रौशनी में समाज को बेहतर बनाने के लिए अपने लेक्चर्स के जरिए दीनी और समाजी ज़िम्मेदारियों को निभा रहे हैं।कल के लेक्चर में मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी साहब ने प्यारे वतन भारत में अम्न, अमान और प्यार-ओ-मुहब्बत की फ़िज़ा को बनाए रखने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की तरक्क़ी में अम्न और आपसी भाईचारे का महत्वपूर्ण रोल होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे मुल्क में विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग मिलकर अपनी खुशियाँ मनाते हैं। ईद और होली, दिवाली और शबे बरात जैसी पर्वों पर हम एक-दूसरे के साथ शुभकामनाएँ साझा करते हैं। यही हमारी गंगा-जमुनी तहज़ीब की पहचान है।मौलाना ने विशेष रूप से 14 मार्च को जुमा और होली का एक साथ पड़ने पर बात की, इसे हमारे मुल्क की तहज़ीब का बेहतरीन उदाहरण मानते हुए उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हिन्दू भाइयों की तरफ से होली के रंग एक घंटा पहले खत्म करने और मुसलमान भाइयों की तरफ से नमाज़-ए-जुमा को एक घंटा देर से अदा करने का फैसला किया गया है। यह एकता और भाईचारे की मिसाल है, जो हमारे दुश्मनों को कड़ी चुनौती देता है।मौलाना ने आगे कहा कि हमारे सियासी और समाजी लीडर्स की यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वे किसी भी ऐसे बयान से बचें जो हमारे दुश्मनों को फायदा पहुँचाने का कारण बने।क्लास के अंत में मौलाना ने प्यारे मुल्क हिन्दुस्तान की तरक्क़ी और कामयाबी के लिए दुआ की और इमाम ए ज़माना (अ.स) की सलामती और उनके जुहूर की दुआ के साथ क्लास को समाप्त किया।

बलरामपुर हास्पिटल मे मनाया जा रहा है विश्व ग्लूकोमा सप्ताह

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बलरामपुर हास्पिटल मे विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का आज शुभारंभ किया गया जो 15 मार्च तक चलेगा । इस दौरान नेत्र रोगियों की आंखो की जांच एव उपचार किया जाएगा । इस अवसर पर बलरामपुर हास्पिटल मे एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे वरिष्ठ नेत्र चिकत्सक एव सीएमएस डाक्टर संजय तिब्बतिया ने लोगो मे ग्लूकोमा के प्रति जागरुक्ता एव बचाव के उपायो पर बल देते हुए कहा कि आंख मानव की जिंदगी है आंख है तो जहान है, आज ग्लूकोमा के कारण बहुत से लोगो को नेत्र संबंधित दिक्कते आ रही है, इसका कारण है आज लोगो मे ग्लूकोमा के प्रति जागरुक्ता की कमी । साधारण तौर मे आम आदमी शुरूआत मे इसको समझ नही पाता और जबतक समझता है तब तक रोग जटिल हो चुका होता है, अत लोगो को ग्लूकोमा के प्रति जागरुक कर इस रोग पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सकता है । इस अवसर पर बलरामपुर हास्पिटल के अधिक्षक डाक्टर हिंमांशू चतुर्वेदी, सीएमएस डाक्टर संजय तिब्बतिया, वरिष्ठ नेत्र चिकत्सक डाक्टर सेठ, डाक्टर संजीव गुप्ता, डाक्टर आकांक्षा सिंह, एव नेत्र विभाग के डाक्टर स्टाफ एव अन्य प्रमुख लोग उस्थित रहे ।

होलिका दहन आज, ये है शुभ मुहूर्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। होली का पर्व 14 मार्च को मनाया जाएगा। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को होलिका दहन किया जाता है। इस वर्ष यह शुभ तिथि 13 मार्च गुरुवार को है। हिंदू परंपरा में होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इस पर्व का उत्साह भारत सहित कई देशों में देखा जाता है। होलिका दहन से पहले महिलाएं घर में सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। मान्यता के अनुसार होलिका दहन से घर में नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। वहीं यह कार्य शुभ मुहूर्त और पूरे विधि-विधान से किया जाए तो इसका शुभ फल प्राप्त होता है। मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्यागिरी महाराज ने बताया कि इस बार होलिका दहन का शुभ मुहूर्त गुरुवार को 11.30 बजे का है। महंत बताती है कि होलिका दहन समय से हो जाए, उसके बाद कोई शुभ अशुभ नहीं होता है। लोग रात से लेकर सुबह तक होलिका दहन में शामिल होते हैं।

भारत में नहीं होगा चंद्र ग्रहण का प्रभाव

14 मार्च को होली के दिन चंद्र ग्रहण

लगेगा। हालांकि इस ग्रहण का प्रभाव भारत में नहीं होने की वजह से यहां पर ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं होगा। यह ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। इसलिए यहां ग्रहण को लेकर नियम नहीं मान्य होगा। होलिका दहन के समय परिवार के लोगों द्वारा एक साथ होलिका की परिक्रमा करना शुभ होता है। परिक्रमा लेते समय होलिका में चना, मटर, गेहूं, अलसी अवश्य डालें। इसे धन लाभ का अचूक उपाय माना गया है। लोगों का मानना है कि होली वाली रात पीपल के पेड़ के नीचे घी का दीपक जलाकर, पीपल के पेड़ की सात परिक्रमा लगाएं। ऐसा करने से जीवन में आ रही सभी बाधाओं को दूर किया जा सकता हैं। होलिका दहन के अगले दिन सबसे पहले मंदिर जाकर देवी-देवताओं को गुलाल चढ़ाना चाहिए, उसके बाद ही होली खेलनी चाहिए। होलिका के जलने के दौरान उसमें कपूर डालने से हमारे आसपास मौजूद हानिकारक कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। होलिका दहन के समय सरसों के कुछ दाने होलिका को अर्पित कर मां लक्ष्मी को याद करें। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी घर पर कृपा करती हैं।

होलिका दहन के आवश्यक नियम और पूजा विधि

हिंदू शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन भद्रा रहित काल पूर्णिमा तिथि के प्रबल होने पर ही किया जाना चाहिए। घर में सुख-शांति और समृद्धि के लिए दहन से पहले होलिका पूजा का विशेष महत्व होता है। होलिका पूजन करते समय अपना मुंह पूर्व या उत्तर की ओर करके बैठे। पूजन की थाली में पूजा सामग्री जैसे - रोली, पुष्प, माला, नारियल, कच्चा सूत, साबुत हल्दी, मूंग, गुलाल और पांच तरह के अनाज, गेहूं की बालियां व एक लोटा जल होना चाहिए। होलिका के चारों ओर सहपरिवार सात परिक्रमा करके कच्चा सूत लपेटना शुभ होता है। इसके पश्चात विधिवत तरीके से पूजन के बाद होलिका को जल का अर्द्ध दें और सूर्यास्त के बाद भद्रा रहित काल में होलिका का दहन करें। होलिका दहन की राख बेहद पवित्र मानी जाती है। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन सुबह के समय इस राख को शरीर पर मलने से समस्त रोग और दुखों का नाश किया जा सकता है।

समाचार

सोशल मीडिया पर असलहे से फायरिंग करते युवक का वीडियो वायरल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बुधवार को अवैध असलहे से फायरिंग करते एक युवक का वीडियो वायरल होने से पुलिस में हड़कम्प मच गया। वायरल वीडियो बंथरा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सिर पर कैप लगाए एक युवक अवैध असलहे से हवाई फायरिंग करता नजर आ रहा है। जिस असलहे से युवक फायरिंग कर रहा है, वह देसी तमंचे जैसा प्रतीत हो रहा है। फायरिंग करने वाला युवक बिना किसी झिझक के फायर कर रहा है। वीडियो के साथ वायरल मैसेज में बताया गया है कि युवक दबंग प्रवृत्ति का है और फायरिंग के जरिए लोगों में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा है। वीडियो में हो रही फायरिंग रात के समय की लग रही है। वीडियो के साथ वायरल मैसेज में सूत्रों की तरफ से बताया गया है कि फायरिंग करने वाले युवक की बंथरा थाने में अच्छी पकड़ है। जिसकी वजह से उसके हौसले बुलंद हैं। उधर इस मामले में बंथरा पुलिस का कहना है कि वायरल मैसेज और वीडियो की जानकारी होने के बाद युवक का पता लगाया जा रहा है कि आखिर वह कौन है। उनका कहना है कि वायरल वीडियो में असलहे से फायरिंग करने वाले युवक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है, पता चलते ही युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाएगा।

बोर्ड परीक्षा को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए केन्द्र व्यवस्थापक ने सभी सहयोगियों का जताया आभार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। खालसा इंटर कॉलेज के केन्द्र व्यवस्थापक स. वीरेन्द्र सिंह ने बोर्ड परीक्षा 2025 को शांति पूर्ण एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए स्टेटिक मजिस्ट्रेट सुशील कुमार, वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक अरविन्द कुमार द्विवेदी, परीक्षा प्रभारी नीरज श्रीवास्तव, सभी कक्ष निरीक्षकों , परीक्षा सहयोगियो, कर्मचारियों एवं पुलिस बल का उनके विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया एवं सभी को होली की हार्दिक शुभकामनायें दीं।

ये वे शब्द नहीं ने तोड़ी महिलाओं के दर्द पर चुप्पी चारिक चर्चा एवं पुस्तक का विमोचन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाज में एक अजीब विडंबना है कि स्त्रियों के शरीर को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती हैं, लेकिन जब उनके असली दर्द, तकलीफों और बीमारियों की बात आती है तो चुप्पी छा जाती है। डॉ. वरदा शुक्ला की पुस्तक %ये वे शब्द नहीं इसी चुप्पी को तोड़ने का प्रयास है।गोमतीनगर स्थित एक होटल में पुस्तक का परिचय एवं चर्चा समारोह हुआ। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने ने कहा कि जब महिला स्वस्थ रहेगी, तभी स्वस्थ समाज और बेहतर राष्ट्र की कल्पना संभव है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मनमीत सिंह ने किया।

ठाकुरगंज पुलिस ने 2 शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर दिशा निर्देश द्वारा थाना ठाकुरगंज पुलिस टीम द्वारा आरोपी 1 मुन्ना बाबू उर्फ सोनू निवासी रिंग रोड मल्लपुर थाना ठाकुरगंज लखनऊ, मूल पता ऐशबाग छोटा तालाब थाना बाजार खाला लखनऊ,2 तालिब निवासी रिंग रोड चौकी के पीछे मल्लपुर थाना ठाकुरगंज लखनऊ, मूहर पुल के नीचे बनी रेलवे लाइन के पास थाना क्षेत्र ठाकुरगंज से रात्रि में गिरफ्तार किया गया, घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल चोरी के सोने के चांदी के जेवरात बरामद हुआ, थाना प्रभारी श्रीकांत राय क्षेत्र में बने हुए पैन्नी नजर, थाना प्रभारी श्रीकांत राय लगातार अपराधियों पर शिकंजा कसते नजर आ रहे, इस क्रम (पश्चिम) डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियों को धरपकड़ कर रही हैं,थाना ठाकुरगंज निरीक्षक श्रीकांत राय के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपीगणों को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

एयरटेल उत्तर प्रदेश ईस्ट ने मनाया वार्षिक ग्राहक दिवस समारोह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। एयरटेल ने अपने वार्षिक ग्राहक दिवस समारोह के हिस्से के रूप में बुधवार को एक विशेष पहल की। इस दिन, एयरटेल उत्तर प्रदेश ईस्ट की 4,800+ मजबूत कार्यबल ने पूरा दिन फील्ड में बिताया, जहां उन्होंने ग्राहकों, खुदरा विक्रेताओं और अन्य हितधारकों से सीधे फीडबैक प्राप्त किया।यह आयोजन एयरटेल की सेवा उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का एक अहम हिस्सा है। हर साल, इस तिथि पर एयरटेल के सभी कर्मचारी अपने कार्यालयों से बाहर निकलते हैं और देशभर में ग्राहकों से सीधा संपर्क करते हैं।इस पहल के माध्यम से एयरटेल न केवल अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझने का प्रयास करता है, बल्कि कंपनी अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण फीडबैक भी प्राप्त करता है। यह कदम ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाने और उनकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए एयरटेल की निरंतर मेहनत का हिस्सा है।

भाजपा सरकार भूमाफियाओं और अपराधियों को दे रही संरक्षण: अखिलेश

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार भूमाफियाओं और अपराधियों को संरक्षण दे रही है। भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी है। पूरे प्रदेश में भाजपा के संरक्षण में भूमाफियाओं का आतंक है। जब से भाजपा सत्ता में आयी है, भाजपा के लोग गरीबों को प्रताड़ित कर जगह-जगह जमीनों पर जबरन रजिस्ट्री कराकर कब्जे कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के दौरान अयोध्या समेत कई जिलों में हुई जमींनों की रजिस्ट्रियां देख ली जाय तो पूरी पोल खुल जायेगी। अब तो हद हो गयी कि सेना के पूर्व अधिकारी की जमीनों पर भी भूमाफिया कब्जा कर रहे हैं। विरोध करने पर मारपीट करते है। धमकी देते हैं। कानून व्यवस्था की इससे खराब तस्वीर और क्या हो सकती है कि भूमाफियाओं ने सेना के रिटायर्ड ब्रिगेडियर की जमीन पर कब्जा कर लिया और विरोध करने पर जानलेवा हमला किया। पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। हत्या, लूट, बलात्कार, जमीनों पर कब्जे की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। विवाद में प्रदेश में हर दिन हत्याएं हो रही है। हालात बद-से-बदतर होती जा रही है। स्थितियां अब और बदहाल होती जा रही है। भाजपा सरकार में हर जिले में तेजी से भूमाफियां पनप रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के जिलों-जिलों में दबंगों द्वारा ऐसी तमाम घटनाएं हो रही है। सरकार के संरक्षण में जमीनों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी हो रही है। जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। अयोध्या समेत कई स्थानों पर सरकार खुद जमीनों को गरीबों, किसानों से कौड़ियों के भाव छीन कर अपने चहेतों को दे रही है। भाजपा सरकार की जमीनों को कब्जाने की नीति से गरीब और किसान परेशान है। अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार के संरक्षण में अराजकता हावी है। सत्ता के दबाव में पुलिस प्रशासन गरीबों, असहायों की सुनवाई नहीं कर रहा है। जनता में भाजपा की कार्यप्रणाली और नीतियों के खिलाफ आक्रोश बढ़ रहा है। गरीबों, पीड़ितों की आह 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के सत्ता के अहंकार को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर देगी।

किलकारी किड्स स्कूल में महिला दिवस एवं होली के कार्यक्रम का किया गया आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। इन्दिरा नगर स्थित %किलकारी किड्स स्कूल में आज वार्षिक प्रोग्रेस रिपोर्ट कार्ड का । वितरण समारोह का आयोजन कराया गया । इसमे बच्चों ने कविताओं का भी प्रस्तुतीकरण किया। विधालय की प्रधानाचार्या भाते श्वेता रिखाड़ो में सभी बच्चों को सर्टीफिकेट व उपहार देकर जौत्साहित किया। विद्यालय का उद्?देश्य बताते हुऐ प्रधानाधार्या जी ने शिक्षा सभी के लिए को महत्वपूर्ण बताया। यहाँ से कई विद्यार्थी नामी स्कूलों के लिए चयनित होते है हर साल क्योंकि शिक्षा का स्तर सबसे उत्तम रखने का प्रबास रहता है। इसी के साथ %महिला दिवस% व %होली% का भी हैलास से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

होली बाद होगा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का फैसला

लखनऊ। बीजेपी में संगठन से लेकर सरकार तक बदलाव होने वाला है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी को जिलाध्यक्षों का चुनाव, प्रदेश अध्यक्ष का चयन और सरकार में कैबिनेट का विस्तार होना है। संगठन से लेकर सरकार तक में चर्चाओं का बाजार गर्म है। जिलाअध्यक्ष की कुर्सी के लिए रस्साकशी चल रही है, भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष कौन बनेगा इसको लेकर भी कयास जारी है। इन दोनों प्रक्रियाओं को पूरी करने के बाद योगी कैबिनेट में भी फेरबदल हो सकता है।सूत्रों की मानें तो कुछ चेहरे कैबिनेट से बाहर होंगे तो कुछ नए चेहरे को भी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। कैबिनेट में शामिल मंत्रियों के विभागों में बदलाव होगा।असमंजस की स्थिति सरकार में भी है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश में पहले जिलाध्यक्षों की नियुक्ति होगी, उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष का चयन होगा और फिर सरकार कैबिनेट में बदलाव होगा। उत्तर प्रदेश में जिला अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया पूरा कर लिया गया है। लिस्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी गई है। केंद्रीय नेतृत्व ने महिला और उम्र को आधार बनाकर लिस्ट में कुछ बदलाव के लिए सूची वापस भेजी थी, इसके बाद इस आधार पर बदलाव कर दोबारा सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी गई है। पार्टी नहीं चाहती कि जिलों में पार्टी की कमान संभालने वालों की होली खराब हो।जिलाध्यक्षों की सूची कभी भी जारी हो सकती है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष का फैसला होली के बाद ही होगा। भाजपा संगठन मजबूत करना चाहती है। ऐसे चेहरों को मौका देना चाहती है जिसका असर 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव पर पड़े इसीलिए जिला अध्यक्षों के साथ ही अध्यक्ष के अध्यक्ष देरी हो रही है।कहा जा रहा है कि पार्टी जाति है और क्षेत्रीय आधार पर ऐसे चेहरे को चुनना चाहती है जो 2027 में सरकार की वापसी की गारंटी बने। सियासी गलियारों में कई नाम चर्चा में है लेकिन दौड़ में सबसे आगे ब्राह्मण चेहरे के तौर पर पूर्वांचल के बस्ती से आने वाले पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी का नाम आगे है। हरीश द्विवेदी संघ के करीबी है ।भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष होने के नाते संगठन में भी उनकी पकड़ है, युवा है और कई राज्यों के प्रभारी के तौर पर काम कर चुके हैं। ब्राह्मण चेहरे के तौर पर दिनेश शर्मा भी चर्चा में है। उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं,राष्ट्रीय टीम में उपाध्यक्ष रहे हैं। सदस्यता अभियान के प्रभारी के तौर पर काम किया। भाजपा विश्व की नंबर एक पार्टी बनी सरकार और संगठन में उनको लेकर नकारात्मक सोच नहीं है। ओबीसी चेहरे के तौर पर केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ,बाबूराम निषाद और धर्मपाल सिंह का भी नाम हैं। धर्मपाल सिंह योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। ओबीसी चेहरे के तौर पर संघ संगठन और सरकार में अच्छी पकड़ है। चर्चा में एक नाम रेखा वर्मा का भी है लेकिन माना जा रहा कि जिस तरीके से बीजेपी ने दिल्ली की कमान एक महिला रेखा गुप्ता को दी है उसके बाद से उत्तर प्रदेश में किसी महिला को प्रदेश अध्यक्ष जिम्मेदारी शायद ही मिले। जानकार कहते हैं कि उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य है और उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी किसी महिला को देने से दिक्कतें हो सकती हैं।हालांकि यह तर्क वजनी नही है, महिला देश की राष्ट्रपति हैं और कई और अहम पदों पर महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। संगठन भी अच्छे से चला सकती हैं। उम्मीद की जा रही है की पार्टी की बागडोर उत्तर प्रदेश में किसी ऐसे चेहरे को दी जा सकती है जो चर्चाओं में न हो। जिलाध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की प्रकिया के बाद उत्तर प्रदेश मंत्री फेरबदल हो सकता हैं। संगठन में और कुछ संगठन से सरकार में किए जाएंगे। फेरबदल 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए क्षेत्रीय और जातीय समीकरण को मजबूत करेगी।यूपी में उपचुनाव में बंपर जीत के बाद लंबे समय से योगी मंत्रिमंडल में विस्तार की चर्चाएं भी हैं। कई मंत्रियों के कामकाज से न तो भाजपा संगठन संतुष्ट हैं ,न ही मुख्यमंत्री योगी संतुष्ट हैं।बेहतर परफॉर्मेंस न देने वाले मंत्री हटाए जा सकते हैं और कुछ के विभागों में बदला जा सकता। विस्तार में नए चेहरे शामिल हो सकते हैं और कुछ को संगठन भेजा जा सकता है।

धार्मिक रवादारी हमारी कौमी पहचान हैः मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ। धार्मिक रवादारी, राष्ट्रीय एकता, आपसी भाई चारा और एकता हमारी पुरानी पूर्वी गंगा जमनी सभ्यता की बेमिसाल विरासत है। यही वजह है कि इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया फ़रंगी महल की जारी हुई एडवाइजरी का देश के दूसरे भाईयों ने स्वागत किया। विभिन्न धार्मिक व समाजी संस्थाओं ने होली के जुलूस का वक्त एक घंटा पहले खत्म करने का ऐलान किया। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फ़रंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया ने किया। उन्होने कहा कि 06 मार्च 2025 को इस्लामिक सेन्टर ने जुमे की नमाज़ के सिलसिले में जो एडवाइजरी जारी की, इसमें मस्जिदों की कमेटियों से अपील की गयी है कि: जिन मस्जिदों में जुमे की नमाज़ 12:30 बजे से 01 बजे के बीच होती है वह 14 मार्च 2025 को नमाज़ का समय 02 बजे कर लें ताकि नमाजियों को मस्जिद में आने जाने में कोई परेशानी न हो। 2- 14 मार्च को छुट्टी है। इस लिए मुसलमान जुमे की नमाज़ पढ़ने दूर की मस्जिदों में न जायें बल्कि अपने मोहल्ले की मस्जिदों में नमाज़ अदा करें। 3- जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में जुमे की नमाज़ का समय 12:45 है लेकिन 14 मार्च को नमाज़ 02 बजे होगी मौलाना फ़रंगी महली ने कहा कि अधिकतर मस्जिदों की कमेटियों ने इस एडवाइजरी को स्वीकार किया और नमाज़ का समय 02 बजे कर दिया। इस निर्णय का प्रभाव दूसरे भाईयों पर बहुत अच्छा हुआ और उन्होंने भी होली के अपने जुलूस को एक घंटा पहले समाप्त करने का ऐलान किया। मौलाना खालिद रशीद ने अपनी उम्मीद का इज्हार किया कि इस तरह से हमारा समाजी ताना बाना और मजबूत होगा।

संपादकीय

नफरती मंसूबे

अलगाववादियों के एजेंडे को लेकर पश्चिमी देशों की सरकारों के प्रश्रय से मुखर हुए कुछ अराजक तत्वों द्वारा अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला करना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। वहां आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई। इससे पहले भी आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले होते रहे हैं। जाहिर है ऐसे आपराधिक तत्वों की मंशा आतंक फैलाना ही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की निंदा की है, लेकिन अमेरिकी सरकार द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। दरअसल, पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विष वमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। भारतीय संस्कृति के अंग-संग रहने वाले समाज को विभाजित करके घृणा का कारोबार करने वाले तत्वों को बेनकाब करने की जरूरत है। विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाता है। सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल,ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। आखिर मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती। बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही। विडंबना यह है कि अमेरिका,ब्रिटेन व कनाडा की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं। लेकिन जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं। निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास ही आएगी। ऐसे ही अलगाववादियों के कृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। पिछले साल हिंदू महासभा के मंदिर परिसर में मंदिर प्रशासन व भारतीय उच्चायोग द्वारा लगाए गए वीजा शिविर को निशाना बनाया गया था। अभी हाल ही में ब्रिटेन में विदेश मंत्री जयशंकर के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाया था। इससे पहले दो वर्ष पूर्व भी पृथकतावादियों ने भारतीय उच्चायोग परिसर में घुसकर तिरंगा निकाल दिया था। तब भी भारत सरकार ने ब्रिटेन की सरकार से कड़ा प्रतिवाद किया था। लेकिन हाल ही में विदेशमंत्री के काफिले को निशाना बनाया जाना बताता है कि ब्रिटिश सरकार की उदासीनता से अलगाववादियों के हौसले बुलंद ही हुए हैं। यहां सवाल ब्रिटिश सरकार पर भी उठता है कि वह विदेशी राजनयिकों को सुरक्षा देने में नाकाम है। इसके अलावा भारत सरकार लगातार अलगाववादियों पर अंकुश लगाने को कहती रहती है। हाल ही में ब्रिटिश गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में ऐसे अतिवादियों के उभार को ब्रिटिश कानून व्यवस्था के लिये खतरा बताया गया था। लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है। निश्चित तौर पर छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करने से कालांतर बड़ी हिंसक गतिविधियों को ही प्रश्रय मिलता है। यह भी सवाल उठना स्वाभाविक है कि विदेश मंत्री के सामने नारेबाजी कर रहे ऐसे तत्व सुरक्षा घेरे को तोड़कर कैसे विदेशमंत्री की कार के करीब तक पहुंच गए। घटना से स्पष्ट है कि उच्च स्तर पर सुरक्षा में चूक का मामला है। जिसके लिए, लंदन पुलिस की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। निश्चित रूप से पश्चिमी देशों की सरकारों को अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा व गरिमा तय करनी होगी।

साहित्य निधन पर शोक गोष्ठी

मैं मोहल्ला देश के नंबर वन फेसबुक चैनल का सर्वेसर्वा हूं। मेरे मोहल्ले का कोई भी आयोजन तब तक शुरू और सम्पन्न नहीं होता जब तक उसकी कवरेज करने मैं न आऊं। पिछले कल हमारे मोहल्ले में साहित्य के निधन पर हर टाइप के साहित्यकार बंधुओं के कर कमलों द्वारा साहित्य निधन शोक गोष्ठी का कंट्रीब्यूटरी आयोजन हुआ। पर मैं इस कार्यक्रम की कवरेज करने आने को लेट हो गया। जैसे ही मैं देश के नंबर वन फेसबुक चैनल का प्रधान संपादक अपना कैमरा लेकर शोक गोष्ठी में पहुंचा तो मरते साहित्यकारों की जान में जान आई। मुझे आता देख उनके मरते चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्हें लगा कि अब साहित्य के निधन की शोक गोष्ठी सफल हुई। अब साहित्य को अमर होने से कोई नहीं रोक सकता। मित्रो! अब वह दौर आ गया है जब तक किसी भैंस के गोबर की खबर अखबार में न छपे तब तक भैंस अपने को गोबर हुआ नहीं मानती। मुझे देख साहित्य के निधन की शोक गोष्ठी के प्रधान ने मुझसे निवदेन करते पूछा, 'जनाब! आपकी इजाजत हो तो अब साहित्य के निधन की शोक गोष्ठी में भावभीनी श्रद्धांजलि का शुभारंभ किया जाए?' सामने मेज पर विभिन्न साहित्यिक विधाओं की किताबें गले में फूलों की मालाएं 'अवश्य!' मैंने अपना कैमरा संभालते कहा तो साहित्य के निधन की शोक गोष्ठी में सर्व विधा साहित्य के लाइफ टाइम मोहल्ला प्रधान ने सिर झुका मेरे साहित्य को संबोधित करने के बदले मुझे संबोधित करते कहा, 'हे देश के नंबर वन फेसबुक चैनल के प्रधान सम्पादक बंधु! जैसा कि आपको पता ही है कि साहित्य का निधन हो गया है। हम सब दलगत वैर भुला आज उसकी शोक गोष्ठी में उसे श्रद्धांजलि देने एकत्रित हुए हैं। सबसे पहले तो मैं देश के नंबर वन फेसबुक चैनल के प्रधान संपादक जी का साहित्य के निधन की इस शोक गोष्ठी में हार्दिक स्वागत करता हूं कि वे अपना कीमती समय निकाल साहित्य के निधन पर उसकी शोक गोष्ठी को कवर करने आए। उनके लिए जोरदार तालियां! अब मैं मोहल्ला साहित्य संस्थान का लाइफ टाइम प्रधान होने के नाते अपने प्रधान संपादक बंधु को बताना चाहूंगा कि ये जो साहित्य के परिवार को मेज पर गले में फूलों की मालाएं डलवाए देख रहे हैं, वह साहित्यिक फैमिली बड़े दिनों से सरकार और प्रकाशकों के रवैये से तंग आकर बीमार चल रही थी। कई बार उसने सामूहिक आत्महत्या करने की कोशिश भी की। पर ऐन वक्त पर मैं पहुंचता रहा और बार-बार उसे आत्महत्या से बचाता रहा। मैंने अपने प्रयासों से उसे बहुत बचाने की कोशिश की। पर उसकी मौत के सामने मेरी कोशिश अंत में बेकार गई। उसे बचाने के लिए मैंने सरकार से भी मत पूछो, कितनी गुहार लगाई कि जनाब! साहित्यकार तो मर ही रहा है, पर अब साहित्य भी मर रहा है। कृपया उसे सरकारी संरक्षण दे उसकी जान बचाएं ताकि आने वाली पीढ़ियों को पता चले कि ये साहित्य क्या होता है? पर मेरी आवाज किसी ने न सुनी। और फिर वही हुआ जिसका मुझे लंबे समय से बेकरारी से इंतजार था। अब मैं देश के नंबर वन फेसबुक चैनल के प्रधान संपादक महोदय से इतना ही कहना चाहूंगा कि- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः- न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः- अंत में मैं देश के नंबर वन फेसबुकिया चैनल के प्रधान संपादक जी से निवेदन करूंगा कि जितनी जल्दी हो सके वे अपने चैनल से साहित्य के निधन की शोक गोष्ठी में दी भावभीनी श्रद्धांजलि को प्रसारित करें ताकि देश के तमाम साहित्य पिपासुओं को यह खबर मिल जाए कि उनका साहित्य अब नहीं रहा। जय साहित्य! जय साहित्यकार! इसके बाद हम सब लंच के लिए प्रमुख साहित्यसेवी वर्मा जी के यहां सादर आमंत्रित हैं।

अमेरिकी टैरिफ से निपटने के लिए भारत अपनी वैकल्पिक योजना के साथ तैयार रहे

कल्याणी शंकर

> अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 2 अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफलगाने की घोषणा ने नई दिल्ली में गंभीर चिंता पैदा कर दी है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 2 अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफलगाने की घोषणा ने नई दिल्ली में गंभीर चिंता पैदा कर दी है। अमेरिकी वस्तुओं पर भारत के उच्च आयात कर लंबे समय से विवादास्पद रहे हैं, जो अब व्यापार भागीदारों को प्रभावित कर रहे हैं। यह कदम अपने परिणामों के बिना नहीं है। यह आभूषण और फार्मास्यूटिकल्स जैसे निर्यात को जोखिम में डालता है, जिससे भारत को सालाना 7अरब डॉलर का महत्वपूर्ण नुकसान हो सकता है। सवाल यह है कि इस व्यापार युद्ध से भारत को कितना नुकसान होगा? क्या नयी दिल्ली नुकसान होने से पहले कोई रास्ता निकाल सकती है? यह लाख टके का सवाल नीति निर्माताओं और व्यापार विशेषज्ञों को चौकन्ना रखता है, जो स्थिति की संभावित गंभीरता को रेखांकित करता है। भारत वर्तमान में अमेरिकी उत्पादों पर अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाये जाने वाले करों की तुलना में बहुत अधिक आयात कर लगाता है, जिसमें 10 प्रतिशत से अधिक का अंतर है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के अनुसार, यदि अमेरिका इन शुल्कों को कम करता है, तो वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का अमेरिका को निर्यात 2 अरब घटकर 7अरब रह सकता है। भारत का अमेरिका के साथ 36अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का व्यापार अधिशेष है। अमेरिका को भारतीय निर्यात का हिस्सा 2019-20 में 16.9 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 17.7प्रतिशत हो गया, जिसके कारण राष्ट्रपति ट्रम्प का प्रशासन शुल्क कार्रवाई कर सकता है। अपने अभियान के दौरान, ट्रम्प ने कई अमेरिकी निर्यातों पर भारतीय शुल्कों की आलोचना की और भारतीय निर्यातों पर पारस्परिक कर की संभावना का उल्लेख किया। ट्रम्प का मानना है कि अब समय आ गया है कि अमेरिका निष्पक्ष व्यापार के लिए टैरिफ लगाये। श् ट्रम्प प्रशासन के तहत, आपको टैरिफ देना होगा और कुछ मामलों में, इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डाला जायेगा। ट्रम्प इस बात पर जोर देते हैं कि अमेरिका अब अनुचित व्यापार प्रथाओं को स्वीकार नहीं करेगा। भारत अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च आयात कर लगाता है। भारत 100 प्रतिशत टैरिफलगाता है, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अनुचित व्यापार प्रणाली बनती है। 2 अप्रैल को पारस्परिक शुल्क, अर्थात भारत द्वारा लगाये गये शुल्क, अमेरिका द्वारा बराबर किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त, यदि भारत अमेरिकी बाजार पहुंच को सीमित करने के लिए गैर-मौद्रिक शुल्क का उपयोग करता है, तो अमेरिका भी इसी तरह के प्रतिबंध लागू करेगा। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गयी है कि पारस्परिक कर भारत के निर्यात को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं, जो इसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 22प्रतिशत योगदान देता है। यह, धीमी वैश्विक व्यापार वृद्धि और बढ़ती अनिश्चितताओं से जुड़ी चुनौतियों के साथ मिलकर भारत की आर्थिक स्थिति को खराब कर सकता है। भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने अमेरिकी शुल्कों में संभावित बढ़ोतरी के प्रभाव का आकलन करने के लिए हितधारक परामर्श शुरू करके सक्रिय कदम उठाये हैं। ब्लूमबर्ग के अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत का अमेरिका के साथ टैरिफ गैप काफी बड़ा है और यदि अमेरिका ट्रम्प के कहने के अनुसार टैरिफ को बराबर करने का फैसला करता है, तो इसका भारतीय निर्यात पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत में उद्योग और व्यापार विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के शीर्ष निर्यात जैसे ऑटोमोबाइल पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, हीरे, आभूषण, रसायन और फार्मास्यूटिकल्स को वर्तमान भारतीय टैरिफपर अमेरिका में आयात नहीं कर सकते। विश्लेषकों का कहना है कि सबसे अधिक असुरक्षित रसायन, धातु उत्पाद और आभूषण हैं, इसके बाद ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य उत्पाद हैं। भारत को अपने संभावित हानियों और लाभों का आकलन करना चाहिए और भविष्य की व्यापार चुनौतियों के लिए अभिनव रणनीति विकसित करनी चाहिए। यदि राष्ट्रपति ट्रम्प आयातित प्रतिभाओं को नियुक्त करने वाली अमेरिकी कंपनियों को दंडित करते हैं, तो भारत के आउटसोर्सिंग और आईटी सेवा उद्योग को महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को नये अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि, जैमीसनग्रियर से मिलने के लिए अपनी अमेरिकी यात्रा शुरू की, जो ट्रम्प की टैरिफ योजना को लागू कर रहे हैं। ग्रियर ट्रम्प के पहले प्रशासन का भी हिस्सा थे, जिसने चीन को लक्षित किया और भारत के लिए निर्यात के अवसर खोले, खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में। टैरिफके बारे में विवादास्पद मुद्दों के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024 में 118.2अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इस अवधि के दौरान भारत ने 36.8अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष बनाये रखा।

राजनैतिक व्यंग्य समागम

हे भागवत जी, कुछ ऐसी भागवत-कथा कहो कि आपका श्रोता सुनते-सुनते सो जाए!: विष्णु नागर

खबर है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिनिधि सभा की अगले महीने बंगलूरू में होने वाली बैठक में %हिंदू जागरण% पर चर्चा होगी। यह अत्यंत शुभ विचार है, क्योंकि पिछले साढ़े दस साल से हिंदू को इतना जगाया गया है कि बेचारा रात क्या होती है, नींद क्या होती है, बिस्तर क्या होता है, आराम क्या होता है, इसे भूल चुका है। वह बीमार, चिड़चिड़ा और आक्रामक हो गया है। उसे इलाज और आराम दोनों की अब सख्त जरूरत है। उसे नींद की परम आवश्यकता है। जरूरत हो तो, उसे नींद की गोली दी जानी चाहिए। गोली भी असर न करे, तो इंजेक्शन देना चाहिए! इस देश के हिंदू ने इतना अधिक जागरण किया है कि उसके आगे कुंभकर्ण भी अब बौना लगने लगा है। वह तो छह महीने जागता था, तो छह महीने सोता भी था। पर ये हिंदू तो सालों से जाग रहा है! %न खाऊंगा, न खाने दूंगा% वाला तो डटकर खाता भी है और डटकर खाने देता भी है, मगर यह हिंदू तो इतना प्रतिबद्ध, इतना सच्चा है कि %न सोऊंगा, न सोने दूंगा% पर अटल है, जबकि अटल बिहारी वाजपेयी तक अपने नाम के अनुरूप इतने अटल नहीं थे। यह हिन्दू न तो खुद सो रहा है, न किसी और को सोने दे रहा है। कभी बुलडोजर लेकर चला आता है, कभी नमाज़ के दौरान हनुमान चालीसा पढ़ने लग जाता है, कभी गाय के नाम पर मार-काट मचाने लगता है, कभी सब्जी से लेकर मांस बेचने वालों तक को धमकाता फिरता है। कभी उर्दू पर, तो कभी औरंगजेब पर शोर मचाने लगता है। इसने सारे देश को हिंदू जागरण मंच बना रखा है, इसलिए अब इसका सोना बेहद जरूरी है। ये अब और जागा, तो देश सो जाएगा, इसलिए प्रतिनिधि सभा से निवेदन है कि वह इससे सोने का आह्वान करे, बल्कि संघ और उसके महामना खुद भी सो जाएं। तनिक चैन ले लें, तो उनके और देश के स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा। संघ के पदाधिकारियों को भी हिंदुओं को जगाते -जगाते सौ बरस हो रहे हैं। इसके बाद आराम करना उनका भी हक बनता है और उन्हें यह हक लेकर ही रहना चाहिए! मेरी तो सलाह है कि आज से ही, बल्कि अभी से संघी आराम फरमाना शुरू कर दें! वे सो गए, तो निश्चित है कि हिंदू खतरे से बाहर आ जाएगा। हिंदू-बहुल देश में हिंदू खतरे में है, ये भी एक कमाल है और उससे भी बड़ा कमाल यह है कि हिंदू तब सबसे अधिक खतरे में आ गया है, जब इनका अपना खास बंदा लगभग 11 साल से प्रधानमंत्री है! अब तो संघियो, हिंदुओं को खतरे से निजात दिलाओ। कितना खतरा झेले बेचारा हिंदू? चीन से उसे खतरा, पाकिस्तान से उसे खतरा और अब देश के मुसलमानों से भी उसे खतरा! संघ बेचारा तो हिंदुओं को जगाने में लगा रहा, पर पहले के अधिकतर हिंदू ढीठ थे। कभी-कभी दो दिन के लिए %जाग% जाते थे, फिर दो-चार-दस साल के लिए सो जाते थे। हाथ-मुंह धोते थे, चाय-नाश्ता करते थे, फिर सो जाते थे। लंच करते थे, फिर सो जाते थे। रात में डिनर के लिए उन्हें जगाना पड़ता था, तो हिंदू कहते थे कि डिनर नहीं कर सकते। अभी तो लंच ही नहीं पचा है। डकारों पर डकारें आ रही हैं, पर चलो खा लेते हैं। देर रात को भूख लगी, तो कौन खिलाएगा? इस तरह फिर खाकर, फिर खर्राटे लेने में वे निमग्न हो जाते थे। वे सो जाते थे, तो सब चैन से सो जाते थे। संघ कहता था, उत्तिष्ठ-जागृत, वह सुनता नहीं था। ध्वज प्रणाम भी वह सोते-रोते करता था! 43 साल पहले हिंदुओं को जगाने के लिए संघ ने हिंदू जागरण मंच बनाया, मगर सोने की आदत से लाचार हिंदू उस मंच पर बैठे- बैठे ही लमलेट हो जाता था। पहले हिंदू के सोने से संघ परेशान था, अब उसके जागने से पूरा देश परेशान है। इसलिए हे भागवत जी, कुछ ऐसी भागवत-कथा कहो कि आपका श्रोता सुनते-सुनते सो जाए। वह भी चैन से रहे, आप भी विश्राम कर सको! हिंदुओं की आप लोग काफी सेवा कर चुके। सेवा की उसे इतनी अधिक आदत डालोगे, तो उसकी सेवा करते ही रह जाओगे! जो लाठी आपने उसे लड़ने-भिड़ने के लिए थमायी है, उसका सहारा लेकर वह चलना शुरू कर देगा! इसलिए अब उस पर दया करो और अपने आप पर भी! आपको बता दूं कि %आराम हराम है% का नारा नेहरू जी ने दिया था, संघ ने नहीं और उनसे बड़ा संघ का शत्रु शायद ही कोई दूसरा हो, इसलिए आराम करो और दूसरों को करने दो। 2. पंच-पतियों को आने दो ¬ राजेंद्र शर्मा ये लो कर लो बात। भगवा भाइयों के राज में भी ऐसा अत्याचार हो रहा है। छत्तीसगढ़ में पारसबाड़ा गांव में बेचारे आधा दर्जन पंच पतियों ने अपनी निर्वाचित पंच पत्नियों की तरफ से जरा-सी शपथ क्या ले ली, मनुस्मृति-विरोधियों ने हंगामा ही खड़ा कर दिया। कहते हैं कि पंच तो पत्नी चुनी गयी है, तब पति उसकी जगह पंच के रूप में कैसे शपथ ले सकता है? कमाल है, सब मानते हैं और सब हमेशा से जानते हैं कि जैसे पंच होते हैं, वैसे ही पंच पति भी होते हैं। चुना कौन जाता है, कौन नहीं, यह बात ही अलग है। और यह तो खैर दलील ही बिल्कुल बेतुकी है कि जैसे पंच पति होता है, वैसे ही पंच पत्नी क्यों नहीं होती है? ऐसा क्यों नहीं होता कि पति पंच चुना जाए और बदले में पत्नी ही जाकर शपथ ले आए! ऐसा होता, तो पारसबाड़ा में गांव में ही बाकी आधा दर्जन पंचों की जगह पंच-पत्नियां शपथ ले आतीं और गिनती बराबर हो जाती। मगर गिनती बराबर नहीं हुई और कभी होगी भी नहीं। और कहीं हो तो हो, भारत देश में तो नहीं होगी।

यह संस्कारों वाला देश है। हम झूठी बराबरी के पीछे नहीं भागते हैं। झूठी बराबरी के पीछे वो भागते हैं, जो स्त्री को सिर्फ औरत मानते हैं। पुरुष से अलग, फिर भी बराबर। हम नारी की पूजा करने वाले लोग हैं। बराबर के चक्कर में उसका दर्जा घटकर सिर्फ इंसानों वाला नहीं होने दे सकते हैं। वैसे भी हम पत्नी को अर्धांगिनी मानते हैं। स्त्री अगर पंच या कुछ और चुन भी जाए, तब भी रहेगी तो अर्धांगिनी ही। बाकी आधा अंग यानी पति भी तो उसके बराबर का, आधे-आधे का पंच चुना जाएगा, तभी तो पूरा बनेगा। फिर साड़ी वाले आधे ने शपथ ली या मूंद-दाढ़ी वाले आधे ने, क्या फर्क पड़ता है? मकसद तो पंचायती राज चलाने से है। और पंचायती राज चल रहा है, तो पंच पतियों के चलाए ही चल रहा है। नहीं तो, रुककर ही खड़ा हो जाए। वह तो कम से कम आधे पंच होते हैं और बाकी पंच पति सहारा लगाते हैं, इससे गाड़ी चल जाती है, वर्ना महिला पंचों के चक्कर में ही पड़े रहते, तब तो पंचायती राज चल ही नहीं पाता। पहले कदम पर ही बैठ जाता, जैसे पारसबाड़ा की पंचायत का उद्घाटन कार्यक्रम बैठ जाता, अगर पंच-पतियों ने पचास फीसद शपथ ग्रहण का जिम्मा नहीं उठाया होता। पंच पति रहते हैं, तो सारी व्यवस्था ठीक तरीके से चलती है। महिला प्रतिनिधित्व का प्रतिनिधित्व भी और पंचायत की पंचायत भी! हम तो कहते हैं कि सारी गड़बड़ी वीडियो की है। न शपथ ग्रहण का वीडियो बनता, न वीडियो सोशल मीडिया में डाला जाता और न पंच-पतियों के शपथ ग्रहण का हंगामा होता। हमें तो इस हंगामे में एक षडयंत्र की बू आती है। हमारी पंचायती राज व्यवस्था को बदनाम करने का षडयंत्र। पंचायती राज में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बदनाम करने का षडयंत्र। और चूंकि छत्तीसढ़ में डबल इंजन की सरकार है, रायपुर से लेकर दिल्ली तक की सरकारों को बदनाम करने का षडयंत्र। और जाहिर है कि सनातन संस्कृति को बदनाम करने का षडयंत्र। और मनुस्मृति को बदनाम करने का षडयंत्र। और सबसे बड़ी बात, विश्व गुरु को बदनाम करने का षडयंत्र। जो पंच-पति, विधायक पति आदि-आदि डेमोक्रेसी की मम्मी का, डेमोक्रेसी के लिए खास योगदान है, उसे बदनाम करने का यह षडयंत्र, नहीं सहेगा भारत महान! 3. कम्युनिस्टों को रोने दो, उनकी सिसकियां सुनता कौन है! ¬ संजय पराते इस देश में एक ऐसा परिवार है, जो पहले बीपीएल कार्ड रखता था। अब वह बड़े करदाताओं में से एक है। कभी सुना है ऐसा चमत्कार? जी हां, किसी व्यक्ति की ऐसी प्रगति सिर्फ भाजपा ही सुनिश्चित कर सकती है। शर्त सिर्फ यही है कि किसी बड़े भाजपा नेता का वह रिश्तेदार हो। यह चमत्कार त्रिपुरा में हुआ है, जहां पिछले सात सालों से वह सत्ता में काबिज है। अपने दूसरे कार्यकाल का दूसरा सालगिरह कल ही उसने मनाया है। जिस व्यक्ति के पारिवारिक उत्थान की बात हम कर रहे हैं, वह एक भाजपाई मंत्री का बड़ा भाई है। त्रिपुरा में भाजपा शासन से पहले माकपा के नेतृत्व में वाम मोर्चा का शासन था।यह व्यक्ति वाम मोर्चे के शासन में गरीबों में भी गरीब ही बना रहा था। भाजपा शासन में यह अभूतपूर्व विकास हुआ है। इसे अद्भुत विकास भी कह सकते हैं। भाजपा का इस धरती पर अवतरण समाज और देश के विकास के लिए हुआ है। इस विकास के लिए जरूरी है स्व-विकास! जो अपना विकास नहीं कर सकते, वह दूसरों का क्या खाकर करेंगे? पहले अपना, फिर अपनों का, फिर दूर के अपनों का, फिर दूसरों का ... इसके बाद समाज और देश का, विकास के ये क्रमिक चरण है। इस विकास की गारंटी केवल मोदी ही दे सकते हैं और मोदी की किसी भी गारंटी के पूरा होने की गारंटी केवल भाजपा ही दे सकती है। कहने को तो त्रिपुरा में कांग्रेस भी है और कम्युनिस्ट भी, लेकिन मोदी की किसी गारंटी के पूरा करने की गारंटी देने की गारंटी देने से तो वह रही! जनता मोदी की गारंटी पूरा होने की गारंटी चाहती है, सो उसके सामने भाजपा के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है। सो इस दूसरे कार्यकाल के दूसरे सालगिरह के अवसर पर बड़ी भव्य रैली हुई। वैसी ही, जैसी किसी सत्ताधारी पार्टी की रैली होनी चाहिए। वैसी ही, जैसे छत्तीसगढ़ में या राजस्थान में या गुजरात में होती है। रैली वैसी ही भव्य थी, जैसे कॉरपोरेटों से मिले अवैध चंदे से बनी विश्व की सबसे बड़ी धन कुबेर पार्टी की रैली होनी चाहिए। स्वामी विवेकानंद मैदान में हुई इस रैली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा शामिल हुए। मुख्यमंत्री माणिक साहा को तो रहना ही था। इस रैली में वे सभी शामिल थे, जिनका भाजपा के इन सात सालों में विकास हुआ है। वे भी शामिल हुए, जो चाहते हैं कि उनका भी ऐसा ही अभूतपूर्व और अद्भुत विकास हो। भाजपा और गोदी मीडिया ने बताया है कि भाजपा की रैली में यह आम जनता की शिरकत थी, जो इन सात सालों में अपने विकास से गदगद थी। नड्डा ने साफ-साफ कहा है कि भाजपा सत्ता में सेवा करने के लिए दिन-रात काम कर रही है और वह आखिरी छोर पर खड़े आखिरी व्यक्ति की सेवा करके ही दम लेगी। भाजपा ने जब रैली में फिर गुहार लगाई -- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, तो आम जनता ने खूब तालियां पिटी। फिर से गारंटी मिली है कि देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाया जाएगा, चाहे इस रास्ते पर विपक्षी कांग्रेस और कम्युनिस्ट कितना भी अड़ंगा क्यों न लगा लें। विपक्ष का यह रास्ता जाम आंदोलन मोदी के रथ को नहीं रोक सकता। वह इसे 3 से 5 ट्रिलियन डॉलर में ले जाकर ही मानेंगे। आज देश में डॉलरपतियों की संख्या 6व की दर से बढ़ रही है। इसे और तेज करना है। यदि यही रफ्तार रही, तो 2,80,000 सालों में देश के सभी लोग टाटा-बिड़ला, अडानी-अंबानी बन जाएंगे। ऐसी दूरदृष्टि मोदी के सिवा और किसके पास है? बस सबका साथ देने की जरूरत है। और साथ का मतलब है, मजदूरों और किसानों को हर रोज 13-14 घंटे काम करना चाहिए और अपनी मजदूरी और तनख्वाह बढ़ाने, बोनस लेने जैसी तुच्छ मांगें छोड़ देनी चाहिए। बस, इतने से कदम से जो अभूतपूर्व संपदा इस देश में पैदा होगी, वह सबको करोड़पति बना देगी। प्रगति के इस भाजपाई फार्मूले पर सबको विश्वास करना होगा, क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि भाजपा यह करके दिखा रही है। भाजपा जो कहती है, सो करती है। भाजपा ने कहा था कि एक धक्का और दो, और उसने राम मंदिर बनाकर दिखा दिया। मोदी और भाजपा की यही गारंटी है। इधर त्रिपुरा में माकपा नेता और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेन्द्र चौधरी ने आरोप लगाया है कि विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा ने जो वादा किया था, उसे पूरा करने में वह नाकाम रही है। उसने 50000 नौकरियां नहीं दी, मनरेगा में 340 रूपये रोजी के साथ 200 दिनों का काम नहीं दिया, बमुश्किल 40 दिनों का काम मिला, तो भुगतान नहीं हुआ, 7वां वेतन आयोग नहीं बनाया, जिसके कारण कर्मचारियों को 23व कम महंगाई भत्ते का भुगतान हो रहा है। न एम्स बना, न मेडिकल कॉलेज खुला और न ही इनलैंड जलमार्ग की शुरुआत हुई। सिविल सचिवालय से लेकर ग्राम पंचायत तक कोई भी काम बिना कमीशन के बिना नहीं होता। हां, ये सब वादे भाजपा ने किए थे, तो क्या हुआ? वादे तो होते ही मुकरने के लिए है। भाजपा ने तो साफ-साफ और पूरी ईमानदारी से बता दिया है कि चुनावों में ऐसी जुमलेबाजी तो चलते रहती है। उससे वह बंधी नहीं है। बंधन है, तो केवल मोदी की गारंटी का और वादे, गारंटी नहीं होते। वादे पूरा करने का काम कांग्रेस और कम्युनिस्टों का है, भाजपा का नहीं। और हां, जहां तक कमीशनखोरी का सवाल है, बिना कमीशन विकास भी नहीं होता। भ्रष्टाचार होता रहेगा, चलता रहेगा और भाजपाई वाशिंग मशीन उसे साफ भी करती रहेगी। भाजपा का काम तो विकास और केवल विकास है। यह मोदी की गारंटी है। कम्युनिस्ट वादे पूरा न होने का रोना रो रहे हैं, तो उन्हें रोने दो। अब उनकी सिसकियां सुनता भी कौन है!

भावप्रवण युवाओं के अंसुअन से होता नरेन्द्र मोदी का जलाभिषेक

डॉ. दीपक पाचपोर

इन दिनों पीली शर्ट वाले एक युवा का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। रोते हुए उस युवक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी दिवंगत माता हीराबेन का बड़ा सा स्केच उठा रखा है। यह शुक्रवार की बात है जब मोदी अपने गृह राज्य गुजरात के एक प्रमुख शहर सूरत में रोड शो कर रहे थे। उनका काफिला आगे बढ़ रहा था तभी उनकी नजर में वह 20-22 वर्षीय युवक आया। अपनी मां के प्रति बेहद संवेदनशील माने जाने वाले और मासे-चौमासे वडनगर जाकर विभिन्न अवसरों पर अपनी माताजी के जीवित रहने के दौरान उनके साथ फोटो खिंचवाने वाले मोदी ने तत्काल अपनी कारकेड को रुकवाया। उस मोदी आसक्त युवक ने उनके चित्र को और ऊपर उठाया। चित्र के साथ उस युवक की आंखों में मोटे-मोटे आंसू दिख रहे थे जिन्हें वह अपनी आस्तीन से बार-बार पोंछ रहा था। रुक नहीं रहे थे। भीड़ के बीच से सुरक्षा कर्मचारियों के जरिये उस स्केच को मंगवाया जाता है। उस चित्र को देखकर मोदी भी भाव-विभोर होते दिख रहे हैं। उन्होंने उस पर अपने हस्ताक्षर किये तथा वह स्केच वापस युवक तक पहुंचाया गया। मोदी की इस दरियादिली से वह युवक और भी द्रवित हो गया। उसके आंसुओं की धाराएं और भी अधिक तेज हो गयीं क्योंकि अब उसके हाथों में वह तस्वीर थी जिसे एक महामानव द्वारा न केवल स्पर्श किया गया था वरन उस पर हस्ताक्षर भी किये थे। आखिरकार मोदी के हस्ताक्षर हैं भी तो बेहद नायाब जो बहुत कम लोगों को नसीब होते हैं। पिछले साल जब मई में मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था, अलबत्ता तब उनसे तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाईडेन ने उनका आटोग्राफ लेकर साबित किया था कि मोदी के दस्तखत की क्या कीमत है और वे केवल नसीबवानों को ही मिलते हैं। वैसे भी 30 दिसम्बर, 2022 को उनके निधन के बाद मोदीजी की मां से सम्बन्धित ऐसा भावुक प्रसंग अब कहीं जाकर देखने को मिला है क्योंकि उसके बाद मोदी उस घर में गये या नहीं, यह नहीं जान पड़ता। इस पूरे वाकये को गोदी मीडिया कहे जाने वाले न्यूज चैनल द्वारा जिस प्रकार से अतिरिक्त प्रमुखता से प्रसारित किया जा रहा है वह उन सभी लोगों की भी आंखों में आंसू लाने के लिये पर्याप्त है जो देश में युवाओं के साथ-साथ मुख्यधारा की मीडिया की दुर्दशा पर थोड़ा सा भी सोचते हैं। बहरहाल, यदि कोई ऐसा सोचता है कि बेरोजगारी, शिक्षा के गिरते स्तर, रद्द होती परीक्षाओं, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के होते पेपर लीक, खराब स्वास्थ्य सेवाओं, बढ़ते भ्रष्टाचार, प्रदूषण जैसे कारणों से वह युवा जार-जार आंसू बहा रहा है, तो वह अपनी राजनीतिक समझ को दुरुस्त कर ले। ऐसा सोचना मोदी की लोकप्रियता को काफी कम करके आंकना ही कहलायेगा। यदि कोई यह भी समझता हो कि युवा हाल ही में प्रयागराज के महाकुम्भ में हुई भगदड़ के कारण लोगों की मौतों पर रो रहा है तो वह भी गलत हैय या वह अमेरिका में अवैध प्रवासियों के रूप में रहने वाले भारतीयों को हथकड़ियों-जंजीरों से बांधकर लाये जाने के कारण दुख व अपमान महसूस करके क्रंदन कर रहा है- तो ऐसा भी नहीं है। दरअसल युवा अपने उस आदर्श पुरुष को देखकर भावुक हो गया था जिसके बारे में वह मानता है कि मोदी रोजगार, विकास, कानून-व्यवस्था जैसे सड़े-गले विषयों पर काम करने के लिये नहीं बने हैं। ऐसा निरर्थक काम तो वर्षों पहले जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, राजीव गांधी और यहां तक कि डॉ. मनमोहन सिंह जैसे लोग कर चुके हैं। मोदी इन सब कामों में भला समय क्यों जाया करें? उन्हें ईश्वर ने खास मकसद से बेजा है- अब्दुल को टाइट करनेय और ऐसा वे बखूबी कर रहे हैं। बेशक यह युवा उसी गुजरात से है जहां 1973-74 में जयप्रकाश नारायण ने छात्रों-युवाओं को साथ लेकर भ्रष्टाचार के खिलाफ श्नवनिर्माण आंदोलन की शुरुआत की थी। इस असंतोष ने कांग्रेस की चिमनभाई पटेल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिये मजबूर कर दिया था साथ ही गुजरात विधानसभा भंग कर दी गयी थी। यह आंदोलन बिहार में भी फैला जिसके बाद के घटनाक्रम ने भारत की सबसे ताकतवर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को आपातकाल लगाने के लिये मजबूर कर दिया था। अंततरू वे भी सत्ता से बाहर हो गयीं। अब कोई यह भी न सोचे कि मोदी के काफिले के सामने बिलखता वह युवा देश की आजादी तथा भारतीय लोकतंत्र को बचाने के लिये गुजरात के उपरोक्त उल्लिखित आंदोलन से वाकिफ भी होगा। ये सारी बातें उक्त युवा के उस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से बाहर के विषय हैं जिसे श्वाट्सएप यूनिवर्सिटीश् कहा जाता है। जेपी के समय बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चाहे मुद्दे रहे हों, लेकिन अब आज के इन युवाओं व छात्रों को कुछ लेना-देना नहीं है। बहुत सम्भव है कि वह भी उन्हीं बेरोजगारों में से एक हो जिनके लिये मोदी ने भरोसा दिलाया था कि उनके जैसे 2 करोड़ लोगों को हर वर्ष पक्की नौकरी दी जायेगी। पिछले बजट में इसी मोदी सरकार ने हर वर्ष देश की 100 अग्रणी कम्पनियों में लाखों युवाओं को अप्रेंटिसशिप के जरिये काम देने का वायदा किया था- यह सब भी उसे याद नहीं होगा। उसे याद है तो केवल मोदी और उनकी माता। देश के युवाओं की प्राथमिकता अब बदल गयी है। अब उसे न अच्छी शिक्षा चाहिये और न ही काम-धंधे की उसे दरकार रह गयी है। 5 किलो प्रति माह का राशन उसके लिये राष्ट्रीय गर्व का विषय है जो हजार वर्ष के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठने वाले किसी हिन्दू राजा की महान अर्थव्यवस्था का प्रतिफल है। बन्द होते स्कूल और महंगी होती शिक्षा उसे विचलित नहीं करती। वह धर्म-राज्य को मजबूती देने के लिये सब कुछ छोड़-छाड़कर सड़कों पर है और किसी भी हद तक जा सकता है। उसके मन में सवाल ही नहीं उठता कि दो-चार साल बीत जाने के बाद वह जीवनयापन के लिये क्या करेगाय न ही उसे इस बात को लेकर जानने की उत्सुकता है कि उसके हाथों में झंडे-डंडे पकड़ाने वालों के बच्चे उसके साथ क्यों नहीं हैं? वे क्यों अच्छी शिक्षा पाने के लिये अच्छे स्कूलों में या सीधे विदेशों में जा रहे हैं? फिर लौटकर सीधे किसी बड़ी कम्पनी में काम करते हैं या फिर सांसद बनते हैं अथवा किसी खेल संगठन का बड़ा ओहदा सम्हालते हैं? आखिर उन्हें क्यों नहीं धर्म-राज्य चाहिये? मोदी ने इन बच्चों की नब्ज पकड़ ली है।

आईजीआरएस पोर्टल व अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों का करें निस्तारण: जिलाधिकारी

हमीरपुर। आईजीआरएस पोर्टल, जनसुनवाई एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक एवं समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।शिकायतों के निस्तारण में मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से संपर्क अवश्य किया जाए तथा मौके पर जाकर उसकी लोकेशन सहित फोटोग्राफ भी ली जाय।

पत्रकार की हत्या के विरोध में पत्रकारों ने डीएम व एसपी को सौंपा ज्ञापन

हमीरपुर। सीतापुर जनपद में पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेयी की दिनदहाड़े गोलियों से छलनी करके की गई हत्या के विरोध में मंगलवार को हमीरपुर प्रेस क्लब के पत्रकारों ने विरोध-प्रदर्शन करते हुए डीएम-एसपी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा। जिसमें हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार करते हुए कठोर कार्रवाई के साथ-साथ दिवंगत पत्रकार के परिजनों को एक करोड़ रुपए की सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की गई है।पत्रकारों पर हो रहे लगातार हमलों को रोकने के लिए पत्रकार सुरक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया जाये।साठ वर्ष की उम्र से अधिक पत्रकारों को अन्य राज्यों की तरह पेंशन भी दी जाए। सीतापुर पत्रकार हत्याकांड को लेकर विभिन्न समाचार पत्रों और चैनलों से जुड़े पत्रकारों ने प्रदर्शन किए। इस दौरान हमीरपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष पी.डी.दीक्षित,महामन्त्री मनीष मिश्र, मंत्री हरिमाधव मिश्र,कोषाध्यक्ष आशीष दीक्षित,रोहित तिवारी,हरिप्रपन्न मिश्र,प्रतीक तिवारी,आशुतोष दीक्षित, विकास सिंह,अभिषेक सिंह सहित तमाम पत्रकार साथी मौजूद रहें।

अमृत जल योजना मे भ्रष्टाचार का बोलबाला: शिव प्रकाश श्रीवास्तव

उन्नाव। अमृत जल योजना कि तारीख बढती जा रही किन्तु काम है कि लचर कार्य प्रणाली के कारण खत्म होने का नाम ही नही ले रहा । जहा जहा इसके काम हुए पहली ही टेस्ट मे फेल होते नजर आते है पाईप लाईन से जल रिसाव आम बात हो गयी यहा तक कि कितने ही मोहल्ले मे अभी इसका काम होना बाकि है जहा पाईप लाईन ही नही पडी।

जीआरपी आरपीएफ ने चेकिंग के दौरान शराब के साथ तीन तस्करों को पकड़ा

डीडीयू नगर, चदौली। डीडीयू रेलवे स्टेशन पर जीआरपी आरपीएफ की रूटीन चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म संख्या 1/2 पर दिल्ली एंड पर स्थित मजार के पास से एक व्यक्ति को 41 शीशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं प्लेटफार्म संख्या दो के हावड़ा एंड से दो तस्करों के पास से 96 शीशी नाजायज अंग्रेजी शराब बरामद की गई। पुलिस ने उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की। इस संबंध में जीआरपी प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस नियमित जांच के दौरान प्लेटफार्म पर गश्त कर रही थी। जांच करते हुए टीम प्लेटफार्म संख्या 1/2 पर स्थित मजार के पास पहुंची। इसी बीच एक व्यक्ति पुलिस को देख हटने-बढ़ने लगा। शक होने पर पुलिस ने उसके झोले की तलाशी ली तो उसमें 41 शीशी शराब बरामद हुई। पकड़ा गया आरोपी अभिनव सर्राफ पुत्र रंजीत कुमार निवासी ग्राम देवरिया कोठी थाना देवरिया जिला मुजफ्फरपुर बिहार का निवासी बताया गया है।

बीईओ ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

म्योरपुर, सोनभद्र। शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत आज विभिन्न विद्यालयों में वार्षिक उत्सव एवं इकोक्लब के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां बच्चों ने धूम धाम से वार्षिक उत्सव को मनाया एवं इकोक्लब के अंतर्गत लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उच्च प्राथमिक विद्यालय रासपहरी में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी म्योरपुर, विश्वजीत कुमार ने इकोक्लब के महत्व को साकार करने के लिए पौधा रोपण किया एवं बच्चों को प्रकृति प्रेमी बनने का संदेश दिया। बीईओ ने बच्चों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें पर्यावरण के प्रति सजग रहना चाहिए। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। जब आस पास हमारे पेड़ पौधे ही नहीं रहेंगे तो हमें शुद्ध हवा नहीं मिल पाएगी एवं कई रोगों का शिकार होना पड़ेगा। सभी अभिभावकों को शिक्षा के महत्व को समझना चाहिए एवं अपने पाल्यों को स्कूल प्रतिदिन भेजना चाहिए। एक पढ़ा हुआ बच्चा कई पीढ़ियों के लिए रोशनी का काम करता है। इसके अलावा उच्च प्राथमिक लालटॉवर, कंपोजिट विद्यालय कुबरी, कंपोजिट विद्यालय तारापुर में भी वार्षिक उत्सव धूम धाम से मनाया गया। जहां पर खण्ड शिक्षा अधिकारी पहुंच कर बच्चों को प्रोत्साहित किए एवं अध्यापकों के कार्यों की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यापक,अध्यापिकाओं के साथ समस्त बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिलापट्ट को अज्ञात मनबढ़ युवकों ने तोड़ने का किया दुस्साहस

जमालपुर, मिर्जापुर। बारात से वापस लौटते वक्त मनबढ़ दबंग युवकों ने रोड पर बने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिलालेख को तोड़ने का किया प्रयास, पास में गेहूं के खेत की सिंचाई कर रहे किसान के विरोध करने पर उसके गले में गमछा फसाकर हत्या करने का किया प्रयास। अज्ञात मनबढ़ को गिरफ्तार किए जाने के लिए थाना अध्यक्ष से लगाई गुहार। प्राप्त जानकारी के अनुसार शशि कुमार पटेल पुत्र श्याम कुमार ग्राम ढेलवासपुर निवासी अपने गेहूं के खेत में रात को करीब 9:00 बजे सिंचाई कर रहा था। उसी समय काली स्कॉर्पियो से बगल के गांव में आए हुए बारात से वापस लौटते मनबढ़ युवकों ने सड़क पर लगे हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिलापट्ट को तोड़ने का प्रयास किया। जिसे रोकने का विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए मारपीट किया और मोबाइल भी छीन लिया। जिसका नम्बर 9956 275 810 है । अचानक हुई घटना से परिवार वाले भयभीत है। अज्ञात युवकों को गिरफ्तार करने हेतु थानाध्यक्ष जमालपुर विनय कुमार सरोज पत्र द्वारा निवेदन किया।

उज्ज्वला योजना की लाभार्थियों को नि:शुल्क गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरण

● सरकार की हर योजना बहनों के परिवार में खुशियाँ लाने के लिए: माननीय राज्यमंत्री ● सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कृत संकल्प: जिला पंचायत अध्यक्ष

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा होली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का वितरण किया गया। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण रसखान प्रेक्षागृह में माननीय अतिथियों, अधिकारीगण व योजना के लाभार्थियों द्वारा देखा गया। जनपद हरदोई में भी लगभग 2 लाख लाभार्थियों को सब्सिडी प्रेषण की कार्यवाही की शुरुआत की गयी। जनपद स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी व विशिष्ट अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर व माँ सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। दोनों अतिथियों ने अपने हाथों से निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का डमी चेक प्रतीकात्मक रूप से 10 लाभार्थियों को सौंपा। मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा ने अपने सम्बोधन में कहा कि सरकार ने सबसे पहले महिलाओं के बारे में सोचा। आज लगभग हर परिवार में गैस चूल्हा है। होली और दीपावली में फ्री गैस सिलेंडर रिफिल से काफ़ी मदद मिली है। सरकार की हर योजना हर बहन के परिवार में खुशियाँ लाने के लिए है। हर परिवार में शौचालय है। हर परिवार को राशन मिलता है। कन्या सुमंगला योजना व सामूहिक विवाह योजना से बेटियां अब बोझ नहीं हैं। सरकार सामूहिक विवाह योजना की धनराशि अब 51 हजार से बढ़कर 1 लाख होने जा रही है। बेटियों के लिए शिक्षा में दिक्कत न हो इसके लिए सरकार ने मेधावी बेटियों को स्कूटी देने जा रही है। बेटी को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी हम महिलाओं की है। विशिष्ट अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कृत संकल्प है। महिलाओं को जागरूक होना चाहिए। महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर अपने परिवार की मदद कर सकती हैं। सरकार बेटी के जन्म से लेकर विवाह व उसके बाद में सदैव साथ खड़ी है। उज्ज्वला योजना से बहनों को धुए से निजात मिली है। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने कहा कि उज्ज्वला योजना से महिलाओं के जीवन में सुधार हुआ है। उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। अब रिफिल में कोई समस्या नहीं आती। सरकार अधिकांश योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता दे रही है। सभी महिलाएं योजनाओं की जानकारी रखें। जिला पूर्ति अधिकारी दिलीप कुमार ने योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2016 में प्रारम्भ इस योजना से बड़ी संख्या में परिवार लाभान्वित हुए हैं। सब्सिडी में केन्द्र व राज्य दोनों सरकारों का योगदान है। सब्सिडी का अंतरण सीधे खातों में किया जाता है। जिला समन्वयक विशाल पोरवाल ने कहा कि सब्सिडी का लाभ लेने के लिए सभी लाभार्थी ई केवाईसी अवश्य करवा लें। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी व बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

नेककाज चैरिटेबल सोसायटी ने मजदूरों को बाटा मिष्ठान एवं रंग

⇨ सोसायटी निर्धन निर्बल समाज के उत्थान के लिए कर रही कार्य। अध्यक्ष सुनील मेहता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नेककाज चैरिटेबल सोसायटी के द्वारा दादा नगर एसबीआई चौराहे पर होली एवं पर आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद सैकड़ो व्यक्तियो को रंग गुलाल एवं गुझिया भरे डिब्बे वितरित किए गए। इस मौके पर अध्यक्ष सुनील मेहता एवं उपाध्यक्ष अखिलेश गर्ग ने बताया कि विगत वर्षों से सोसायटी अनाथालय एवं वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री एवं आवश्यक सामग्री वितरित की जाती है। तथा मूकबधिर एवं दृष्टिबाधित बच्चों के लिए शिक्षा में अनुदान दिया जाता है। वही धर्मेन्द्र अवस्थी ने कहा कि भारतीय त्योहारों पर मजदूरों एवं कामगारों को सोसायटी मिठाईयां तथा अन्य सामग्री वितरित कर उनको खुशियां देने का कार्य सोसायटी करती है। इसी श्रृंखला में आज सैकड़ो जरूरतमंदों को निशुल्क मिष्ठान एवं रंग गुलाल वितरित किए गए। मिष्ठान के डिब्बे तथा रंग गुलाल जैसे ही जरूरतमंदों को मिले उनके चेहरे पर मुस्कान दिखी। गुझिया के डिब्बे पाकर महिला कामगार सुमित्रा ने सोसायटी के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। अध्यक्ष सुनील मेहता ने बताया कि वर्ष 2015 से सोसायटी निर्धन तथा निर्बल समाज के उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्य रूप से श्रीकान्त राय आलोक त्रिपाठी एसके सिंह ऋषि पाण्डे अरुण मिश्रा एसएन सिंह धर्मेन्द्र अवस्थी संजय दास मानता प्रमोद कुमार जे पी शुक्ला केके सिंह शुभांकर बाजपेई यश सनातन राम कुमार यादव बी एल माली सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

आबकारी विभाग ने भट्ठियों तथा शराब बनाने के उपकरण को मौके पर ही नष्ट किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। आबकारी आयुक्त के निर्देश पर जनपद गोरखपुर में आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आबकारी एवम गगहा पुलिस टीम द्वारा ऊंचेर ,कौवाराम एवं पाण्डेपार थाना गगहा में स्थित संदिग्ध स्थलों , ईंट भट्ठा,बंद ईंट भट्ठा आदि पर दबिश दी गईं। दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर कच्ची शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम की धारा 60 के अंतर्गत 03 अभियोग पंजीकृत किया गया । दबिश के दौरान लगभग 200 किग्रा लहन ,भट्ठियों तथा शराब बनाने के उपकरण को मौके पर ही नष्ट किया गया। टीम में आबकारी इंस्पेक्टर ज्ञान प्रताप सिंह, एवं गगहा थानाध्यक्ष गौरव वर्मा पुलिस मय हमराहियों शामिल रहे।

उन्नाव के दही थाना को आईएसओ सर्टिफिकेट, स्वच्छता और बेहतर व्यवस्था के लिए मिला सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। दही थाने को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप काम करने के लिए आईएसओ सर्टिफिकेट मिला है। यह उपलब्धि थाना परिसर की स्वच्छता, प्रशासनिक व्यवस्था और जनसुविधाओं में उत्कृष्टता के लिए दी गई है। एसपी दीपक भूकर के नेतृत्व में थाने को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया। थाने में स्वच्छता को विशेष प्राथमिकता दी गई। बता दे कि पुलिसकर्मियों के लिए अनुशासन और जनता के प्रति सहयोगी व्यवहार पर जोर दिया गया। थाने में शिकायत निवारण प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया गया है। जनता की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। डिजिटल रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी कैमरे और ऑनलाइन शिकायत रजिस्टर की व्यवस्था की गई है। थाने में वेटिंग एरिया, पीने का पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित की गई हैं। पुलिस और जनता के बीच बेहतर संबंध बनाने के लिए नियमित रूप से सामुदायिक बैठकें होती हैं। एसपी दीपक भूकर ने कहा कि यह उन्नाव पुलिस की पूरी टीम के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि पुलिसिंग को जनहित में और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब थाने में शिकायत दर्ज कराना आसान हो गया है। पुलिस का व्यवहार भी पहले से ज्यादा सहयोगी हो गया है।

उन्नाव में उज्ज्वला योजना की बड़ी सफलता, 3.39 लाख से अधिक परिवारों को मिला गैस सब्सिडी का लाभ, सीडीओ ने किया वितरण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने एक नया मुकाम हासिल किया है। जिले में 3 लाख 39 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को सब्सिडी का लाभ मिला है। मुख्य विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश मीणा ने लाभार्थियों को सब्सिडी राशि वितरित की। बता दे कि योजना के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन और सब्सिडी प्रदान की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य है गरीब परिवारों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना। साथ ही धुएं से होने वाली बीमारियों से उनका बचाव करना है। सीडीओ मीणा ने कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा ने कहा कि इस योजना से गरीब महिलाएं अब स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण में खाना बना पा रही हैं। एक लाभार्थी सीता देवी ने बताया कि पहले लकड़ी और कोयले पर खाना बनाने में काफी परेशानी होती थी। अब मुफ्त गैस कनेक्शन और सब्सिडी मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिली है।

पत्रकार की निर्मम हत्या से आक्रोशित भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। सीतापुर की तहसील महोली निवासी वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई जानकारी के अनुसार रोज की तरह 8 मार्च को घर से निकले थे। बे खौफ बदमाशों ने पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े पत्रकार के हत्या से आक्रोशित होकर भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मानसिंह के निर्देशन में पूरे भारत में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजे जा रहे हैं। जनपद हरदोई कलेक्टर में सत्य प्रकाश जिला सचिव के नेतृत्व में सक्षम अधिकारी को दिया गया ज्ञापन। ज्ञापन में मांग की गई कि स्वर्गीय पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई के हत्यारे को सजा ए मौत की जाए और परिजनों को एक करोड़ रुपए की राशि मुहइया कराई जाए। बच्चों को निःशुल्क उच्च शिक्षा तथा पत्नी को सरकारी नौकरी दी जाए। और पत्रकारों के लिए अलग से एक कानून बनाया जाए ऐसा कानून बनाया जाए की दबंग माफिया पत्रकारों देखकर ही खौफ खा जाएं।पत्रकारों का 50 लाख का बीमा किया जाए,पत्रकारों को सुरक्षा मुहैया कराई जाए।और मांग की है कि सीतापुर मामले में किसी भी निर्दोष को ना भेजा जाए। दोषियों को बख्शा ना जाए इसी को लेकर पूरे देश में धरना प्रदर्शन किया जा रहे हैं। पत्रकार हर गलत कार्य को उजागर करता है। चाहे वह सरकार का हो चाहे वह सरकारी हो या गुंडा माफियाओं के खिलाफ आवाज हो बे खौफ लिखता है निष्पक्ष पत्रकार,निष्पक्ष खबरों की बौखलाहट में की जाती है। पत्रकारों को निर्मम हत्या और लिखे जाते फर्जी मुकदमा। खालिद खां प्रदेश अध्यक्ष ने कहा जब तक मांग को मनवा नहीं लेंगे तब तक संयुक्त रूप से लड़ाई जारी रहेगी। इस मौके पर खालिद खां,सत्य प्रकाश, सरफराज खां,अलीउल्ला, राधा,चमेली,सत्य बती, कोकिला,पत्रकार राहुल शर्मा सहित सैकड़ो किसान,पत्रकार साथी मौजूद रहे।

एम्स गोरखपुर में ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह का आयोजन, नाटक व सामुदायिक दौरे से बढ़ाई जागरूकता

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। एम्स गोरखपुर में कार्यकारी निदेशक और सीईओ मेजर जनरल (डॉ.) विभा दत्ता, एसएम (सेवानिवृत्त)के मार्गदर्शन में नेत्र रोग विभाग द्वारा ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा जन जागरूकता नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें ग्लूकोमा की प्रगतिशील प्रकृति और समय पर निदान एवं उपचार के महत्व को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीन अकादमिक, प्रो. डॉ. महिमा मित्तल ने ग्लूकोमा की अपरिवर्तनीय प्रकृति पर प्रकाश डाला और इसके आजीवन उपचार की आवश्यकता को रेखांकित किया। चिकित्सा अधीक्षक, प्रो. डॉ. अजय भारती ने कहा कि ग्लूकोमा के कारण होने वाला अंधापन केवल दृष्टि हानि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रोगी के समग्र स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। उन्होंने नियमित नेत्र परीक्षण और समय पर उपचार की महत्ता पर जोर दिया। नेत्र रोग विभाग की प्रभारी संकाय, डॉ. अलका त्रिपाठी ने बताया कि ग्लूकोमा के जोखिम कारकों में पारिवारिक इतिहास, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, आंखों में आघात का इतिहास और अत्यधिक चश्मे का नंबर शामिल हैं। उन्होंने ऐसे व्यक्तियों को नियमित रूप से अपनी आंखों की जांच कराने की सलाह दी। इस अवसर पर डॉ. नेहा सिंह और डॉ. अमित ने ग्लूकोमा के संकेतों और लक्षणों के बारे में जानकारी दी और जागरूकता सप्ताह के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान ग्लूकोमा जागरूकता पर पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तुत पोस्टरों का मूल्यांकन प्रो. डॉ. अजय भारती और प्रो. डॉ. महिमा मित्तल द्वारा किया गया। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नेत्र रोग विभाग की टीम ने शिवपुर और डुमरी खास का सामुदायिक दौरा किया, जहां लोगों को ग्लूकोमा के प्रति सचेत किया गया और नेत्र परीक्षण की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्लूकोमा के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने और समय पर जांच एवं उपचार को बढ़ावा देने का सफल प्रयास किया गया।

साहिल गाज़ी बनाए गए भाकियू (सावित्री) युवा जिला प्रभारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

संडीला/ हरदोई ।भारतीय किसान यूनियन सावित्री के युवा जिला महासचिव हरदोई अख्तर गाज़ी के नेतृत्व मे संगठन का हुआ विस्तार आपको बता दें कि भारतीय किसान यूनियन सावित्री गुट के जिला अध्यक्ष व समाजसेवी रफीक लम्बू व जिला प्रभारी ठाकुर सतेंद्र सिंह एवं युवा जिला अध्यक्ष निज़ाम गाज़ी ने ग्राम हरदासपुर मे बैठक की बैठक मे साहिल गाज़ी को को बड़ी जिम्मेदारी दी बैठक को संबोधित करते हुए, जिला अध्यक्ष रफीक लम्बू की अध्यक्षता मे साहिल गाज़ी को युवा जिला प्रभारी हरदोई नियुक्त किया एवं कई लोगो को संगठन की सदस्यता दिलाई नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया और इसी बीच में संगठन के अनेक कार्यकर्ता व समाजसेवी पदाधिकारी गणों की मौजूदगी रही इसी मौके पर आज़म अली प्रदेश संगठन मंत्री, निज़ाम गाज़ी युवा जिला सचिव, नबी पठान युवा जिला उपाध्यक्ष राजा खान जिला सचिव,अनवर गाज़ी, सहीम गाज़ी, दिनेश,एवं संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता मोजूद रहे। भा.की.यू. नेता रफीक लंबू व ठाकुर सतेंद्र सिंह दोनों राम रहीम की जोड़ी ने संगठन को मजबूत करने व संगठन की तथा गरीब किसान मजदूरों की समस्याओं का निस्तारण करने का वादा किया।

रिक्शा चालक के नाम का फर्जी आधार कार्ड बनाकर बेच दी एक बीघा जमीन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। रिक्शा चालक के नाम का फर्जी आधार कार्ड बनाकर कुछ लोगों ने उसकी एक बीघा जमीन बेच दी। पीड़ित को पता चला तो अधिकारियों से शिकायत कर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। सफीपुर तहसील के मतलबपुर गांव निवासी गोगे ने एसडीएम को प्रार्थनापत्र दिया। बताया कि वह 30 साल से कानपुर में रिक्शा चलाकर जीवन यापन करता है। उसका परिवार भी कानपुर में साथ रहता है। उसकी भूमि गांव के बाहर स्थित है। दिसंबर 2024 को ग्रामीणों से जानकारी हुई कि उसकी जमीन पर कुछ लोग कब्जा कर रहे हैं। गांव पहुंचकर जानकारी की तो पता चला कि गांव के ही चार-पांच लोगों ने मिलकर फर्जी आधार कार्ड बनाकर उसकी एक बीघा से अधिक जमीन को दो बार में अलग-अलग लोगों को बेच दिया गया। इसमें पहला बैनामा 21 जुलाई 2023 को और इसके बाद 12 दिसंबर 2024 को उसी फर्जी आधार कार्ड का प्रयोग करके किया गया।पीड़ित के मुताबिक, उपनिबंधक कार्यालय से अभिलेखों जांच कराई तो उसमें आधार कार्ड उसके नाम का और फोटो किसी और की लगाई गई है। पीड़ित ने कूटरचित आधार कार्ड और अन्य अभिलेख तैयार कर जमीन बेचने वाले दोनों खरीदार सहित गवाहों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य आरोपों में रिपोर्ट दर्ज करने और दोनों बैनामें खारिज करने की मांग की है। पीड़ित के अनुसार दोनों बैनामा किसी अन्य व्यक्ति को खड़ा कर कराए जाने की शिकायत 21 दिसंबर 2024 को संपूर्ण समाधान दिवस में की थी। इसकी आवेदन संख्या 30081418001325 है। शिकायत के तीन महीने बीतने के बाद भी कुछ नहीं हुआ। अगर सही से जांच कराई जाए तो कई ठगों और उनके सहयोगियों के नाम सामने आ सकते है। इधर, एसडीएम नवीनचंद्र ने बताया कि बैनामे का मामला है, अदालत से ही निरस्त हो पाएगा, मेरी न्यायालय में मामला आया तो जांच कर दाखिल खारिज पर रोक लगाएंगे।

भाईचारे से मनाए होली और शांति से अदा करें जुम्मे की नमाजः एम आर पाशा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बिजनौर। होली और रमजान का दूसरा जुम्मा एक ही दिन होने पर वरिष्ठ समाजसेवी राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने सभी जनपद वासियों से आपसी भाईचारे के साथ दोनों पर्वों को मनाने की अपील की है। उन्होंने होली की बधाई देते हुए कहा कि होली का त्योहार सौहार्दपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाए वहीं उन्होंने मुसलमानों से भी अपील करते हुए कहा कि जुम्मे की नमाज अपने-अपने क्षेत्र की मस्जिदों में अदा करें। उन्होंने अपील करते हुए एक दूसरे की भावनाओं का ख्याल रखते हुए कोशिश करें कि एक दूसरे की भावनाओं को ठेस न पहुंचे उन्होंने कहा कि त्योहार हमें आपसी भाईचारे का पैगाम देते हैं। कोई भी व्यक्ति किसी की भी धार्मिक भावनाओं को ठेस ना पहुंचें। उन्होंने कहा कि त्योहार हमें आपसी भाईचारे का पैगाम देते हैं कोई भी व्यक्ति किसी की भी धार्मिक भावनाओं को ठेस ना पहुंचे इस दौरान कोई भी भड़काओ भाषण एवं धार्मिक उम्माद ना फैलाएं और जिला प्रशासन का सहयोग करें। जब हम एक दूसरे का ख्याल रखेंगे तभी हमारे जनपद की गंगा जमुना तहजीब कायम रहेगी। श्री एम आर पाशा ने कहा कि हमारा जनपद बिजनौर हिंदू मुस्लिम भाईचारे से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी शरारती तत्व की अफवाह पर ध्यान ना दें उन्होंने सभी को होली और जुम्मे की नमाज के मौके पर शुभकामनाएं एवं मुबारकबाद पेश की

श्वेता केसवानी

क्लोज और नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है हॉलिवुड, बाहर वालों को नहीं घुसने देते

श्वेता केसवानी ने हॉलिवुड में कदम रखने के लिए भारत में अपनी शोहरत छोड़ी। न्यू यॉर्क में नया घर बसाया और धीरे-धीरे हॉलिवुड में पहचान बनाई। हालांकि, हॉलिवुड में भारतीय कलाकारों को छोटी भूमिकाओं तक सिमित रखा जाता है। श्वेता ने लगातार मेहनत से सफलता पाई। श्वेता केसवानी ने न्यू यॉर्क में नई जिंदगी की शुरुआत की हॉलिवुड में घुसने का सफर चुनौतीपूर्ण रहा श्वेता केसवानी ने बताया कि भारतीय एक्टर्स को छोटे-मोटे रोल में कास्ट किया जाता है श्कहानी घर घर कीश, श्देश में निकला होगा चांदश् और श्बा बहू और बेबीश् जैसे मशहूर टीवी शोज की ऐक्ट्रेस श्वेता केसवानी करीब डेढ़ दशक पहले ये सारी शोहरत और पहचान को प्यार और परिवार के लिए छोड़कर सात समंदर पार एक नए देश न्यू यॉर्क में बस गईं। हालांकि, उनके भीतर का एक्टर वहां भी जोर मारता रहा और धीरे-धीरे उन्होंने हॉलिवुड में श्ऐज दे मेड असश, श्बीनी बबलश, श्रोर,न्यू एम्सडर्मश, श्द ब्लैकलिस्टश् जैसी फिल्मों और सीरीज में जगह बनाई। हालांकि, श्वेता का कहना है कि बाहर से आए कलाकारों के लिए हॉलिवुड में घुसना टेढ़ी खीर है। पढिए, ये खास इंटरव्यूरू आप भारत में एक मशहूर ऐक्ट्रेस थीं। ऐसे में, इंडिया छोड़कर न्यू यॉर्क में बसने और हॉलिवुड में हाथ आजमाने का फैसला कैसे किया? और यह सफर कैसा रहा? असल में, साल 2010 में मैं न्यू यॉर्क में एक एक्टिंग कोर्स करने गई थी। वहां मैं अपने पति केन एंडीनो से मिली। पहले हम लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहे, मगर जब हमने साथ रहने का फैसला किया तो मैंने सोचा कि मैं वहां मूव करने का चांस लेती हूं, क्योंकि ऐसा नहीं था कि मुझे सिर्फअफेयर करना था। मुझे अपना घर बनाना था। मैं अपना बच्चा चाहती थी और जब बच्चा होता है तो मां को एक ब्रेक लेना पड़ता है क्योंकि बच्चे को मां की जरूरत होती है। ऐसे में, मैंने सोचा कि एक नए मार्केट को एक्सप्लोर करने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि बेशक इंडिया में नाम था, पर सास-बहू के सीरियल ही चल रहे थे। जब मैं कोर्स करने आई थी तब टीवी में हम जैसे स्थापित एक्टर्स के लिए माहौल ठंडा था, क्योंकि नए चेहरे बहुत कम फीस पर काम कर रहे थे तो मेकर्स नए लोगों को चांस दे रहे थे। मुझे जो ऑफर मिल रहे थे, वे मुझे पसंद नहीं आ रहा थे तो मैंने सोचा कि अगर यूनिवर्स ने मुझे इस आदमी से मिलाया है तो कोई वजह होगी। हालांकि, हॉलिवुड में घुसने का सफर बहुत चौलेंजिंग था। मैं 2011 में न्यू यॉर्क मूव हुई और मुझे एजेंट ढूंढने में ही काफी वक्त लगा। धीरे-धीरे मैं लोगों से मिलने लगी और अब 13 साल बाद जाकर मैं कास्टिंग और इंडस्ट्री के दूसरे लोगों से मिलने में सक्षम हो पाई हूं, या उन लोगों को कोई रोल दिखता है तो वे मुझे याद करते हैं, तो यह जर्नी बिल्कुल आसान नहीं थी। मुझे इंडस्ट्री में रिलेशनशिप बनाने में ही 13 साल लग गए। अपनी सारी शोहरत, स्टारडम को भूलकर एक नई जगह गुमनाम जिंदगी जीना और एक नई शुरुआत करना भी मुश्किल रहा होगा? अरे, वो बहुत मुश्किल था। मेरा यहां कोई दोस्त नहीं था। मेरा पति रोज सुबह काम पर चला जाता था। मेरे पास काम भी नहीं था। अब तो मैं सिटिजन हूं, पर तब मेरे पास ग्रीन कार्ड भी नहीं था तो काम भी नहीं कर सकती थी। स्टूडेंट फिल्म्स करती थी, जिसमें पैसे भी नहीं मिलते थे, पर कुछ समय बाद वो भी करके पक गई। मुझे लगा कि यार, इन लोगों से ज्यादा तो मुझे आता है। मेंटली भी लगता था कि वहां पर मैं इतना कमाती थी, यहां पर अपने पति पर निर्भर हूं, तो वह बहुत मुश्किल दौर था, लेकिन फिर मैंने पॉजिटिव चीजों पर फोकस करना शुरू किया। मैंने सीखना शुरू कर दिया। मैं एक्टिंग क्लासेज करती थी। मैंने स्टैंड अप के क्लासेज किए। मैं आज भी एक्टिंग क्लासेज करती हूं। मैं दूसरों को एक्टिंग सिखाती भी हूं और खुद भी क्लासेज करती हूं। दूसरें, मैं बुद्धिजम प्रैक्टिस करती हूं, तो मेरी जो बुद्धिस्ट कम्यूनिटी थी, वह मेरा परिवार बन गई। हॉलिवुड फिल्मों में आम तौर पर भारतीय एक्टर्स को छोटे-मोटे रोल या ड्राइवर-वर्कर जैसे कम आदमनी वाले किरदारों में ही कास्ट किया जाता है। आपका अनुभव क्या रहा है? आपने बिल्कुल सही कहा। हॉलिवुड बहुत ही क्लोज, नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है। उनके गार्ड होते हैं, जो हॉलिवुड में नॉन हॉलिवुड के लोगों को घुसने नहीं देना चाहते। नॉन हॉलिवुड के जो भी लोग हॉलिवुड में आए हैं, उन्होंने बहुत ज्यादा मेहनत की है। यकीन मानिए, हॉलिवुड रूपी किले को भेदना मजाक नहीं है। रोल देते वक्त हमें सिर्फ एशियन डायस्पोरा के करैक्टर के लिए सोचा जाता है। हमें एक टर्म दिया गया है- मिनासा (डम्छौ।) जिसका मतलब है- डपककसम म्ेंजमतद, छंजपअम ।उमतपबंद,ेवनजी ेपंद यानी सिर्फ साउथ एशियन नहीं, मिडिल इस्टर्न, नेटिव अमेरिकन, हम सबको एक एक ब्रैकेट में डाल दिया है, तो अगर कोई ब्राउन या नॉन अमेरिकन एक्टर चाहिए तब उन्हें हमारी याद आती है और इतने बड़े सागर, जिसमें जपान, कोरिया, भारत, नेटिव अमेरिकन, मिडिल ईस्ट, सब जगह के लोग हैं, उनमें से ऑडिशन होता है, तो मैं साल में 100 ऑडिशन करूं तो कहीं जाकर 2 बुकिंग मिलती है। इसलिए, यह मुश्किल तो बहुत है, लेकिन जिंदगी बहुत छोटी है और अगर मैं यह नहीं करती तो मुझे अफसोस होता। इसलिए, मैंने यह मेहनत की और खुशी है कि मैंने छोटे छोटे रोल किए हैं, लेकिन उन्हें नोटिस किया जा रहा है। अभी कुछ बड़े कास्टिंग वालों के कॉल आ जाते हैं कि आप ऑडिशन दो तो मुझे वह बहुत बड़ी जीत लगती है, लेकिन हां, मुझे यहां तक पहुंचने में 13 साल लगे। अभी तो हॉलिवुड में हालात और डांवाडोल है।

डोनाल्ड ट्रंप ने डायवर्सिटी और इन्क्लूजन का विभाग ही निकाल दिए हैं। दो बड़ी स्ट्राइक भी हुई तो इंडस्ट्री यहां भी टूटी हुई है। जब आप न्यू यॉर्क में नई जिंदगी तलाश रही थीं, तब आपके हज्बैंड का कितना सपोर्ट रहा? वह बहुत सपोर्टिव थे, जब तक मैं शहर ना छोड़कर जाऊं (हंसती हैं)। असल में, छोटे बच्चे को पालना एक फुल टाइम जॉब है और उसको ऑफिस जाना होता था और यहां मेरे पास कोई सपोर्ट नहीं था। कोई फैमिली नहीं थी। वह तो धीरे धीरे जो मेरी कम्यूनिटी में बहुत सारी माएं हैं, मॉम फ्रेंड्स हैं, वो एक दूसरे की मदद करती हैं। जैसे, मैं इंडिया आई तो मेरी बेटी इस्सी को किसी ने डांस से पिक अप किया, कोई खाने पर लेकर गया, पर इसके पीछे सालों के मेहनत है, जिससे हमने यह रिश्ता बनाया। आपकी बेटी का एक्टिंग की ओर रुझान है? आपको स्क्रीन पर देखकर कैसे रिएक्ट करती है? उसको शुरू से यह सब बहुत अच्छा लगता है। वह बहुत नाटक और म्यूजिकल करती है। वह गाती भी बहुत अच्छा है। उनकी आवाज बहुत अच्छी है। टैप डांस, हिप हॉप भी बहुत करती है, तो यह सब उसके खून में है। मेरा काम देखकर भी वह बहुत खुश होती है। बड़े गर्व से अपने दोस्तों को बताती थी कि मेरी मां टीवी ऐक्ट्रेस है। आपके आने वाले प्रॉजेक्ट्स क्या हैं? क्या दोबारा भारत में भी कुछ कर रही हैं? मैं अभी बहुत कुछ कर रही हूं। सनडांस से स्क्रीन राइटिंग सीखी थी। अभी डायरेक्शन सीख रही हूं तो खुद की शॉट फिल्म बनाने का प्लान है। एक शॉर्ट और एक फीचर रिलीज होनी है। एक शॉर्ट और एक फीचर और भी है, जिसमें मैं एक्टर और एग्जीक्यूटिव प्रड्यूसर दोनों हूं। साथ ही एक्टिंग सिखाती हूं, एक थिएटर कंपनी की वाइस प्रेजिडेंट हूं। वहीं, इंडिया में वापस काम करने का भी सोच रही हूं, क्योंकि बेटी अब बड़ी हो गई है, तो अब मैं शहर से बाहर जा सकती हूं। मैं टीवी शो नहीं, पर ओटीटी पर काम करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे बार-बार आना जाना नहीं करना है। ऐसे प्रॉजेक्ट हों कि बीस दिन के लिए आकर, काम खत्म करके चली जाऊं।

अब हॉकी खिलाड़ियों पर बरसेगा पैसा, फेडरेशन ने सालाना अवॉर्ड्स के लिए घोषित की रिकॉर्ड प्राइज मनी

हॉकी इंडिया ने अपने सातवें वार्षिक पुरस्कारों के लिए 12 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की है। जिसके लिए आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को नामित किया गया है। वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया जाएगा जिसमें 2024 सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार समारोह के प्रमुख आकर्षणों से एक प्रतिष्ठित बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार है जो वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए दिया जाएगा। ये सर्वश्रेष्ठ पुरुष और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा। युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। जुगराज सिंह पुरस्कार वर्ष के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी जबकि असुंता लाकड़ा पुरस्कार वर्ष की उभरती हुई महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न भूमिकाओं में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए भी पुरस्कार दिए जाएंगे। इसमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए बलजीत सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए परगट सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीत पाल सिंह पुरस्कार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड के लिए धनराज पिल्ले पुरस्कार शामिल हैं। इस साल के पुरस्कार उसी दिन दिए जाएंगे जिस दिन 50 साल पहले 1975 में भारतीय पुरुष टीम ने विश्व कप जीता था।

आरसीबी की 11 रन से जीत

मुंबई फाइनल के लिए सीधे क्वालिफाई करने से चूकी, दिल्ली शीर्ष पर

मुंबई। मंगलवार को ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता टीम ने स्मृति मंधाना की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में मुंबई निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर सिर्फ188 रन बना सकी। आरसीबी की जीत स्नेह राणा और किम गार्थ की घातक गेंदबाजी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 11 रन से हरा दिया। मंगलवार को ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता टीम ने स्मृति मंधाना की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में मुंबई निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर सिर्फ188 रन बना सकी। इस हार के साथ हरमनप्रीत कौर की पलटन फाइनल के लिए सीधे क्वालिफाई करने से चूक गई। अब उन्हें गुजरात जाएंट्स के खिलाफ गुरुवार को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना है। इस मैच में जीतने वाली टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फाइनल मुकाबला खेलने उतरेगी। बता दें कि, मेग लैनिंग के नेतृत्व वाली टीम 10 अंक और 0.396 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर रही। दिल्ली ने आठ में से पांच मैच जीते। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत खराब हुई। 32 के स्कोर पर टीम ने दो विकेट गंवाए। स्नेह राणा ने हीली मैथ्यूज (19) और अमेलिया कर (9) को अपना शिकार बनाया। इसके बाद मोर्चा नेट सिवर ब्रंट ने संभाला। एक छोर पर खड़ीं ब्रंट टीम को धीरे-धीरे लक्ष्य की तरफले जा रही थीं लेकिन बाकी बल्लेबाज नियमित अंतराल पर अपना विकेट गंवा रहे थे। 32 वर्षीय ऑलराउंडर ने 35 गेंदों में 69 रन बनाए। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिल सकीं। मुंबई के लिए कप्तान हरमनप्रीत ने 20, अमनोजत ने 17, यास्तिका भाटिया ने चार, सजीवन सजना ने 23, जी कमालिनी ने छह, संस्कृति ने 10 रन बनाए। वहीं, शबनम इस्माइल और परुनिका सिसोदिया क्रमशरू चार और बिना खाता खोले नाबाद रहीं। आरसीबी के लिए स्नेह राणा ने तीन विकेट लिए जबकि किम गार्थ और एलिस पेरी को दो सफलताएं मिलीं। वहीं, हेदर ग्राहम और जॉर्जिया वेयरहम को एक-एक विकेट मिला। मुंबई का सातवां विकेट जी कमालिनी के रूप में गिरा। उन्हें जॉर्जिया वेयरहम ने एलिस पेरी के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ छह रन बना सकीं। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए संस्कृति गुप्ता उतरी हैं। 18 ओवर के बाद स्कोर 156ध्7 है। 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की हालत नाजुक नजर आ रही है। उन्हें पांचवां झटका स्नेह राणा ने दिया जबकि हेदर ग्राहम को पांचवां विकेट मिला। फिलहाल क्रीज पर सजीवन सजना और जी कमालिनी मौजूद हैं। सिवर ब्रंट 69 रन बनाकर आउट हुई मुंबई को चौथा झटका एलिस पेरी ने दिया। उन्होंने शानदार फॉर्म में दिख रहीं नैट सिवर ब्रंट को अपना शिकार बनाया।

कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन का नाम बदला

राष्ट्रमंडल खेल महासंघने सोमवार को अपना नाम बदलकर राष्ट्रमंडल खेल कर लिया और कहा कि यह संचालन संस्था से एक 'आंदोलन' बनने का बदलाव है। नाम बदलने के फैसले की घोषणा 10 मार्च को राष्ट्रमंडल दिवस के मौके पर की गई। राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रमंडल युवा खेलों की संचालन संस्था ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''राष्ट्रमंडल दिवस 2025 से राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को राष्ट्रमंडल खेल के नाम से जाना जाएगा।'' विज्ञप्ति के अनुसार, ''राष्ट्रमंडल खेल महासंघ अपना सार्वजनिक ब्रांड नाम बदलकर राष्ट्रमंडल खेल कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।